मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 7 अंक 299
शुक्रवार, 23 मई 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

दुनिया ने देख लिया, जब सिंदूर बारूद बन जाता है, तो नतीजा क्या होता हैः पीएम मोदी

बीकानेर, 22 मई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को बीकानेर में एक रैली के दौरान पाकिस्तान पर तीखा हमला किया और कहा कि 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले का बदला लेते हुए भारत ने महज 22 मिनट के भीतर पाकिस्तान के नौ बड़े एयरबेस नष्ट कर दिए। उन्होंने कहा कि जब 'सिंदूर बारूद बन जाता है' तो पूरी दुनिया ने देखा और दुश्मनों ने भी इसका नतीजा देखा। पीएम मोदी ने कहा कि 22 अप्रैल को आतंकवादियों ने हमारी बहनों का धर्म पहचान कर उनके सिंदूर को मिटा दिया। हमला पहलगाम में हुआ, लेकिन गोलियों ने 1.4 अरब भारतीयों के दिलों को छलनी कर दिया।

मोदी ने कहा कि एक स्वर में एकजुट होकर, हर भारतीय ने आतंकवाद को खत्म करने और कल्पना से परे सजा सुनिश्चित करने का संकल्प लिया। यह भारतीय सशस्त्र बलों के साहस के कारण है कि हम आज मजबूत हैं। हमारी सरकार ने तीनों सेवाओं को खुली छूट दी और साथ में, तीनों सेवाओं ने इतनी प्रभावशाली रणनीति बनाई कि इसने पाकिस्तान को झुकने के लिए मजबूर कर दिया। उन्होंने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद देश के हर नागरिक ने कसम खाई थी कि वो आतंकियों को मार गिराएंगे। उन्होंने कहा, आज आपके आशीर्वाद से हम सब सेना

की बहादुरी पर खरे उतरे हैं और हमारी सरकार ने तीनों सेनाओं को खुली छूट दे दी है और तीनों सेनाएं एक साथ मिलकर ऐसा कुचक्र रच रही हैं कि पाकिस्तान को घुटने टेकने पर मजबूर होना पड़ा। प्रधानमंत्री मोदी ने बीकानेर रैली में तालियों की गड़गड़ाहट के बीच कहा, जब सिंदूर विस्फोटक बन जाता है, तो परिणाम सबके सामने आता है। मोदी ने कहा क यह शोध-प्रतिशोध का खेल नहीं, यह न्याय का नया स्वरूप है, यह ऑपरेशन सिंदूर है। यह सिर्फ आक्रोश नहीं है, यह समर्थ भारत का रौद्र रूप है, यह भारत का नया स्वरूप है।

पहले घर में घुसकर किया था वार, अब सीधा सीने पर किया प्रहार है। मोदी ने कहा कि एयरस्ट्राइक के बाद मैं चुरू में आया था और मैंने कहा था- 'सौगंध मुझे इस मिट्टी की, मैं देश नहीं मिटने दूंगा, मैं देश नहीं झुकने दूंगा'। आज मैं राजस्थान की धरती से देशवासियों से कहना चाहता हूं- 'जो सिंदूर मिटाने निकले थे, उन्हें मिट्टी में मिलाया है। जो हिंदूस्तान का लहू बहाते थे आज कतरे-कतरे का हिसाब चुकाया है, जो सोचते थे भारत चुप रहेगा आज वह घरों में दुबके पड़े हैं। जो अपने हथियारों पर घमंड करते थे, आज वह मलबे के ढेर में दबे हुए हैं'।

जलविद्युत भ्रष्टाचार मामले में सत्यपाल मलिक के खिलाफ सीबीआई की चार्जशीट, 5 अन्य के भी नाम शामिल

नई दिल्ली, 22 मई। केंद्रीय जांच ब्यूरो ने कीरू जलविद्युत भ्रष्टाचार मामले में जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक और पांच अन्य के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया है। अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। 2024 में, सीबीआई ने किरू हाइड्रो इलेक्ट्रिक पावर प्रोजेक्ट के लिए 2,200 करोड़ रुपये के सिविल कॉन्ट्रैक्ट देने से जुड़े कथित भ्रष्टाचार की जांच के तहत दिल्ली और जम्मू में आठ स्थानों पर तलाशी ली थी। यह जांच 2022 में जम्मू-कश्मीर सरकार द्वारा किए गए अनुरोध से उपजी है, जिसमें दो प्रमुख अनुबंधों के पुरस्कार में संदिग्ध अनियमितताओं की सीबीआई जांच की मांग की गई थी।

ये चिंताएँ शुरू में सत्यपाल

मलिक द्वारा उठाई गई थीं, जिन्होंने 23 अगस्त, 2018 से 30 अक्टूबर, 2019 तक जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल के रूप में कार्य किया। मलिक ने सार्वजनिक रूप से आरोप लगाया था कि उन्हें दो फाइलों को मंजूरी देने के लिए 300 करोड़ रुपये की रिश्वत की पेशकश की गई थी, जिनमें से एक किरू परियोजना से संबंधित थी। अप्रैल 2022 में, सीबीआई ने जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक द्वारा लगाए गए भ्रष्टाचार के आरोपों से जुड़े मामले की जांच शुरू की।

सीबीआई ने 20 अप्रैल 2022 को सीवीपीपीपीएल (चिनाब वैली पावर प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड) के अधिकारियों, एक निजी कंपनी और अज्ञात अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया था। आरोप लगाया गया था कि किरू जलविद्युत परियोजना से संबंधित सिविल कार्यों के आवंटन में ई-टेंडरिंग से संबंधित दिशानिदेर्शों का पालन नहीं किया गया था। यह भी आरोप लगाया गया था कि हालांकि सीवीपीपीपीएल की 47वीं बोर्ड बैठक में रिवर्स नीलामी के साथ ई-टेंडरिंग के जरिए दोबारा टेंडर करने का फैसला लिया गया था, लेकिन चल रही टेंडरिंग प्रक्रिया को रद्द करने के बाद इसे लागू नहीं किया गया।

अचानक दिल्ली यूनिवर्सिटी पहुंचे राहुल गांधी, नई शिक्षा नीति और आरक्षण को लेकर छात्रों से की बात

नई दिल्ली, 22 मई। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) समुदायों के छात्रों के साथ बातचीत करने के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के उत्तरी परिसर का दौरा किया, जिसमें प्रतिनिधित्व, समानता और शैक्षणिक न्याय के मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया गया। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डूसू) के अध्यक्ष के कार्यालय में आयोजित संवादात्मक सत्र में कई कॉलेजों और विभागों के छात्रों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई। डूसू के एक बयान में कहा गया है कि छात्रों के साथ बातचीत करते हुए, लोकसभा में विपक्ष के

नेता ने लोकतांत्रिक भागीदारी और समावेशी शैक्षणिक स्थानों के महत्व पर प्रकाश डाला। छात्रों ने जाति आधारित भेदभाव, संकाय पदों और शीर्ष प्रशासनिक पदों पर हाशिए पर पड़े समुदायों के प्रतिनिधित्व की कमी और शीर्ष बहुराष्ट्रीय निगमों में नियुक्ति से उनके बहिष्कार पर चिंता जताई। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत कौशल वृद्धि पाठ्यक्रमों (एसईसी) और मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रमों (वीएसी) के असंगत शैक्षणिक भार के बारे में भी शिकायतें व्यक्त कीं, जिसके बारे में उन्होंने आरोप लगाया कि इससे संकाय सदस्यों को अत्यधिक शक्ति मिल गई है। एक अन्य प्रमुख मुद्दा ईआर (आवश्यक दोहराव), एनए (उपलब्ध नहीं) और अनुपस्थित स्थितियों का अंकन था, जिसके बारे में छात्रों ने दावा किया कि इसका गलत तरीके से उपयोग किया जा रहा है, जिससे हजारों लोग प्रभावित हो रहे हैं। राहुल गांधी ने छात्रों से बी आर अंबेडकर के संदेश शिक्षित हो, आंदोलन करो और संगठित हो से प्रेरणा लेने का आग्रह किया।

पाकिस्तान के लिए जासूसी करने वाला मो. हारून व तुफैल को एटीएस ने दबोचा

◆आरोप : वाराणसी से गिरफ्तार तुफैल का संबंध पाकिस्तान प्रायोजित राष्ट्रविरोधी संगठन से जुड़कर भारत के विरुद्ध कार्य करने व पाकिस्तान के लिए जासूसी का

सुरेश गांधी

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में गुरुवार को स्पेशल टास्क फोर्सएटीएस (एटीएस) को बड़ी सफलता हाथ लगी है. एटीएस ने वाराणसी और दिल्ली से दो ऐसे लोगों को गिरफ्तारा किया है जिनपर पाकिस्तान के लिए जासूसी करने का आरोप है. एटीएस ने वाराणसी से तुफैल

और दिल्ली के सीलमपुर से हारून को गिरफ्तार किया है. आरोप है कि तुफैल वाट्सएप ग्रुप से जुड़कर पाकिस्तान प्रायोजित राष्ट्रविरोधी संगठन बनाकर भारत की एकता और अखंडता को नुकसान पहुंचा रहा था। देश की आंतरिक सुरक्षा से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां पाकिस्तान के नंबरों पर साझा करने की जानकारी के बाद एजेंसियां सतर्क हुईं। एटीएस की वाराणसी यूनिट लंबे समय से निगरानी करने और पुख्ता सुबूत हाथ लगने के बाद आरोपित को दबोचा है। उसके पास मौजूद मोबाइल और सिम कार्ड को जांच के लिए जब्त किया गया है।

दोशीपुरा (जैतपुरा) निवासी तुफैल के अब्बू ने उसकी मां को तलाक दे दिया था, जिसके बाद तुफैल आदमपुर स्थित हनुमान फाटक के पास ननिहाल में रहने लगा। एटीएस को सूचना मिली थी कि उत्तर प्रदेश का तुफैल पाकिस्तान के लिए जासूसी कर रहा है, जिसके बाद एटीएस वाराणसी की यूनिट ने तथ्यों की पड़ताल की तो पता चला कि तुफैल पाकिस्तान के कई लोगों के संपर्क में है। एटीएस के मुताबिक तुफैल का संबंध पाकिस्तान प्रायोजित राष्ट्रविरोधी संगठन से जुड़कर भारत के विरुद्ध कार्य करने व पाकिस्तान के लिए जासूसी करता है। दरअसल एटीएस उत्तर प्रदेश को सूचना प्राप्त हुई थी कि यूपी के वाराणसी निवासी तुफैल पुत्र मकसूद आलम, निवासी जे-15/107 दोशीपुरा, थाना जैतपुरा, जनपद वाराणसी द्वारा व्हाट्सएप ग्रुप से जुड़कर पाकिस्तान द्वारा प्रयोजित राष्ट्रविरोधी संगठन बनाकर भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता को छति पहुचाने की नीयत से कार्य किया जा रहा है.

सूचना यह भी है कि यह व्यक्ति भारत की आंतरिक सुरक्षा से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां पाकिस्तान के नंबरो पर साझा कर रहा है. आज यानी 22 मई को थाना-एटीएस मु.अ.सं.-06/25, धारा 148/152 बीएनएस पंजीकृत कर अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया गया. गिरफ्तार अभियुक्त को कोर्ट में पेश कर अग्रिम विधिक कार्यवाही कि जाएगी. आरोपी हारून के पास से 2 मोबाईल फोन, 16900 रुपये नकद बरामद हुआ है. तुफैल पाकिस्तानी सेना के एक अधिकारी की बेगम नफीसा से कई महीनों से फेसबुक से जुड़ कर कई अहम जानकारियों को शेयर कर रहा था।

भदोही में निकली भव्य तिरंगा यात्रा, देशभक्ति नारों से गूंजा शहर

◆यात्रा के दौरान भारत माता की जय, वंदे मातरम, पाकिस्तान मुदार्बाद जैसे जोशीले नारे लगाए गए

सुरेश गांधी

भदोही। राष्ट्रप्रेम और एकता का संदेश देने के उद्देश्य से बुधवार को भदोही नगर में एक भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। यह यात्रा स्टेशन रोड स्थित मिडिल स्कूल से प्रारंभ होकर एकमा मर्यादपट्टी तक निकाली गई। यात्रा में भारी संख्या में भाजपा कार्यकताओं, युवाओं और स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

तिरंगा यात्रा का नेतृत्व भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक मिश्रा ने किया। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष अनिरुद्ध त्रिपाठी, पूर्व विधायक रविन्द्र तिवारी, नगर अध्यक्ष

राकेश गुप्ता, पूर्व नगर पालिका चेयरमैन अशोक जायसवाल, सभासद गिरधारी जायसवाल, प्रियंका जायसवाल, दिलीप गुप्ता और भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य सरवर सिद्दीकी सहित कई प्रमुख नेता उपस्थित रहे।

यात्रा के दौरान भारत माता की जय, वंदे मातरम, पाकिस्तान मुदार्बाद जैसे जोशीले नारे लगाए गए। तिरंगे के साथ निकली युवाओं की टोली और बच्चों की भागीदारी ने वातावरण को देशभक्ति से सराबोर कर दिया। राहगीरों और स्थानीय निवासियों ने जगह-जगह फूल बरसाकर यात्रा का स्वागत किया। भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक मिश्रा ने कहा कि तिरंगा यात्रा का उद्देश्य लोगों, विशेषकर युवाओं में देश के प्रति प्रेम और समर्पण की भावना को जागृत करना है। उन्होंने कहा कि देश को एकजुट रखने के लिए ऐसे आयोजनों की महत्ता बहुत अधिक है। यात्रा का समापन एकमा मर्यादपट्टी पहुंचकर राष्ट्रगान और सामूहिक देशभक्ति गीतों के साथ हुआ।

छत्तीसगढ़ के सुकमा में माओवादी विरोधी अभियान, कमांडो और नक्सली मारे गए

सुकमा, 22 मई। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में गुरुवार को माओवादी विरोधी अभियान के दौरान सीआरपीएफ के एक कोबरा कमांडो और एक नक्सली की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि जिले के तुमरेल गांव में अभियान जारी है। अधिकारियों ने बताया कि अभियान का नेतृत्व सीआरपीएफ की कोबरा की 210वीं बटालियन कर रही है और इसमें छत्तीसगढ़ पुलिस डीआरजी और एसटीएफ के जवान शामिल हैं। उन्होंने बताया कि अपुष्ट जानकारी के अनुसार एक कोबरा कमांडो भी घायल हुआ है। अधिकारियों ने बताया कि घायलों को निकालने के लिए भारतीय वायुसेना के एक हेलीकॉप्टर को लगाया गया है। कमांडो बटालियन फॉर रेसोल्यूट एक्शन (कोबरा) केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की विशेष जंगल युद्ध इकाई है, जो वामपंथी उग्रवाद प्रभावित राज्यों में इन अभियानों के लिए अग्रणी बल है।

शराब घोटाले के 41 मामलों पर तमिलनाडु सरकार से हाईकोर्ट ने मांगी रिपोर्ट

तमिलनाडु। मद्रास उच्च न्यायालय ने तमिलनाडु राज्य विपणन निगम (तस्माक) घोटाले से संबंधित 41 मामलों पर तमिलनाडु सरकार से स्थिति रिपोर्ट मांगी है। यह निर्देश तिरुनेलवेली के वकील के. वेंकटचलपति द्वारा दायर एक जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान आया, जिन्होंने दावा किया था कि तस्माक दुकानों के माध्यम से बेची जाने वाली शराब की अधिक कीमत वसूलने का आरोप लगाते हुए कई प्राथमिकी दर्ज की गई हैं।

एपी मीडिया
हिन्दी दैनिक न्यूज पेपर, साप्ताहिक न्यूज पेपर, हिन्दी मासिक पत्रिका का पेज बनबाने के लिए सम्पर्क करेः 9199355950

अरुणोदय सर्जिकल एण्ड ट्रामा सेन्टर

डा. अरुण आर. सिंह
कन्सल्टेन्ट लैप्रोस्कोपिक सर्जन
एस.एम.ओ.) एल.टी.एम.एम. जी. एच. (सायन हॉस्पिटल मुम्बई)
स.आर.) एम. जी.एम. मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल (नवीं मुम्बई)
रजि.नं.-82945 (यू.पी.एम.सी.)

जनरल सर्जरी
स्त्री एवं प्रसूति रोग
आर्थोपेडिक (सर्जरी एवं परामर्श)
कीमोथिरैपी सुविधा उपलब्ध
न्यूरो सर्जरी (परामर्श एवं सर्जरी)
वेन्टिलेटर एवं डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध
प्रशिक्षित डाक्टर स्टाफ तथा सभी मानकों पर खरा उतरने वाला जनपद का एक मात्र हास्पिटल
दूरबीन विधि द्वारा सभी प्रकार की सर्जरी
जनरल मेडिसिन, मधुमेह रोग
गुर्दा एवं मूत्र रोग (सर्जरी एवं परामर्श)
गैस्ट्रोइन्टरोलॉजी (इण्डोस्कोपी एवं कालोनोस्कोपी)
एक्सीडेण्टल एवं ट्रामा इमरजेन्सी
सेवा 24 घण्टे उपलब्ध

डा0 पुनीत सिंह
M.S.M.C.H.
गुर्दा एवं मूत्र रोग विशेषज्ञ (यूरो सर्जन)
डा0 रवि प्रकाश सिंह
M.S. (Ortho)
हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ
डा0 प्रभात सिंह
M.D.(Medicine)
कंसल्टेंट फिजिशियन
डा0 सुमित कुमार सिंह
M.D.(Neuro Psychiatrist)
मानसिक रोग विशेषज्ञ
24/7 Emergency Services

बीमा कार्ड धारकों के लिए विशेष सुविधा उपलब्ध
आयुष्मान कार्ड द्वारा निःशुल्क इलाज की सुविधाएं
8090966086,8090015086
कलीचाबाद, जौनपुर

क्यों जनता भ्रष्टाचार का अनचाहा भार ढोये?

-ललित गर्ग

विभिन्न राजनीतिक दलों, विभिन्न प्रांतों की सरकारों, विभिन्न गरीब कल्याण की योजनाओं, न्यायिक क्षेत्र एवं उच्च जांच एजेंसियों में भ्रष्टाचार की बढ़ती स्थितियां गंभीर चिन्ता का विषय है। ऐसा लगता है आज हम जीवन नहीं, राजनीतिक, न्यायिक एवं प्रशासनिक मजबूरियां जी रहे हैं। ऐसा भी लगता है न्याय, राजनीति एवं प्रशासन की सार्थकता एवं साफ-सुथरा उद्देश्य नहीं रहा, स्वार्थपूर्ति का जरिया बन गया है। दिल्ली उच्च न्यायालय के द्वारा एक असामान्य घटनाक्रम के तहत भ्रष्टाचार के एक मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के तीन अधिकारियों को उसी सीबीआई की हिरासत में भेज देना न केवल चिन्ताजनक एवं शर्मनाक है बल्कि विडम्बनापूर्ण है। भाजपा सरकार ने भ्रष्टाचार के खिलाफ केन्द्रीय एजेंसियों की कार्रवाई का बिगुल बजाया हुए है, जिससे राजनीति में बढ़ रहे भ्रष्टाचार पर नियंत्रण का नया सूरज उदित होता हुआ दिखाई दे रहा है, लेकिन सीबीआई जैसी जांच एजेन्सी में भ्रष्टाचार का पदार्फाश होना इस सूरज को उदित होने से पहले ही अंधेरा की ओट में ले रहा है। इससे भी बड़ी त्रासद एवं निराशाजनक है गुजरात में 71 करोड़ रुपये के मनरेगा घोटाले में मंत्री बच्चू भाई खाबड़ के दो बेटों का गिरफ्तार होना। राजनीति एवं कार्यपालिका के साथ न्याय पालिका के क्षेत्र में जस्टिस यशवंत वर्मा के सरकारी आवास से बड़ी मात्रा में कथित तौर पर नकदी मिलना भ्रष्टाचार के सर्वत्र व्याप्त होने को दर्शा रहा है। जनता कब तक भ्रष्टाचार का अनचाहा भार ढोती रहेगी। कैसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भ्रष्टाचारमुक्त आदर्श राष्ट्र-निर्माण के अपने लक्ष्य को हासिल कर सकेंगे? कैसे आजादी के अमृत काल में ईमानदार राष्ट्र बना पायेंगे?

न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा ने 25 अप्रैल को सीबीआई के तीन अधिकारियों के भ्रष्टता पर अपने आदेश में कहा कि यह सीबीआई, ईडी और ऐसे अन्य विभागों में व्याप्त भ्रष्टाचार का अनूठा मामला है, जिसने हमारी कार्यपालिका और जांच तंत्र की पूरी संरचना को हिलाकर रख दिया है। इन एजेंसियों का प्राथमिक कर्तव्य अपराध की जांच करना और भ्रष्टाचार के दोषियों को सजा दिलाना है। लेकिन इन उच्च जांच एजेन्सियों के आला अधिकारी ही भ्रष्ट हो तो दूसरों के भ्रष्टाचार मामलों में निष्पक्ष एवं तीक्ष्ण जांच की उम्मीद कैसे संभव है? सीबीआई-भ्रष्टाचार एकमात्र मामला नहीं है, बल्कि यह विभिन्न विभागों के अधिकारियों के बीच एक ख़बड़ी साजिशह्व को दर्शाता है, जो अनुचित लाभ या प्रभाव डालने समेत इन विभागों के कामकाज में हस्तक्षेप करने के लिए रिश्वत के मामले को दर्शाता है। अब सर्वोच्च न्यायालय के जज भी ऐसे मामलों में लिप्त हो तो समस्या की गंभीरता को सहज ही समझा जा सकता है। निश्चित ही भारतीय न्यायपालिका के इतिहास में जस्टिस वर्मा केस एक दुर्लभ एवं संवेदनशील मौका है। अब इसकी वजह से न्यायपालिका की गरिमा को ठेस न पहुंचे और जनता का भरोसा बना रहे, इसके लिए पूर्व मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने मामले से जुड़ी जानकारियों को देश से साझा किया। साथ ही, उनकी पहल पर सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों ने अपनी संपत्ति का ब्यौरा भी सार्वजनिक किया। जस्टिस वर्मा का ट्रांसफर किया गया और जांच कमिटी बनाकर उसकी रिपोर्ट सरकार व राष्ट्रपति के पास भेजकर महाभियोग की सिफारिश कर दी गई है। यहां से अब गेंद सरकार और संसद के पाले में है। महाभियोग ही एकमात्र तरीका है, जिससे सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के मौजूदा जजों को हटाया जा सकता है। लेकिन, आजाद भारत के इतिहास में आज तक ऐसा नहीं हुआ। इसके पहले, भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना कर रहे कलकत्ता हाई कोर्ट के न्यायाधीश सौमित्र सेन के खिलाफ महाभियोग चला था, लेकिन लोकसभा में वोटिंग से पहले ही उन्होंने इस्तीफा दे दिया यानी वहां भी प्रक्रिया पूरी नहीं हो पाई थी। अब अगर जस्टिस वर्मा का यह मामला महाभियोग तक पहुंचता है, तो वहां भी एक लंबी प्रक्रिया चलेगी। लेकिन विचार करने वाली बात यह है कि क्या न्यायपालिका की स्वतंत्रता को अक्षुण्ण रखते हुए प्रक्रिया की जटिलता को कम किया जा सकता है? ताकि जजों के भ्रष्टाचार की उचित सजा उनको मिल सके, ऐसी प्रक्रिया से ही न्यायपालिका बिना किसी डर, दबाव या लालच के अपना कर्तव्य भी निभा सके।

भ्रष्टाचार की परतें अपराधियों एवं भ्रष्ट लोगों को बचाने तक ही सीमित नहीं है, अब तो यह गरीबों का निवाला भी छीन रही है। सरकार गरीबों के लिये अनेक कल्याणकारी योजनाएं चलाती हैं, लेकिन बड़ा स्थापित तथ्य है कि अधिकतर सरकारी योजनाएं अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंच पातीं, भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाती हैं। महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना यानी मनरेगा की स्थिति भी इससे अलग नहीं है। इस योजना की शुरुआत इस मकसद से की गई थी कि गरीब परिवारों को साल में कम से कम सौ दिन रोजगार मिल सकेगा और वे अपना भरण-पोषण कर सकेंगे मगर शुरुआती वर्षों में ही इसमें भ्रष्टाचार उजागर होने लगे थे। फर्जी नाम दर्ज कर काम देने की बड़ी चालबाजियां सामने आई थीं। सरकारी योजनाओं में भ्रष्टाचार का ताना-बाना संबंधित महकमों में ही बुना जाता है। इसी का त्रासद उदाहरण गुजरात में मनरेगा के तहत फर्जी तरीके से कार्य निष्पादन के दस्तावेज तैयार कर करोड़ों की रकम भुना लेने का है। पुलिस ने इस मामले में अब तक ग्यारह लोगों को गिरफ्तार किया है, जिन्हें सड़क, बांध, पुलिया आदि निर्माण के लिए सामग्री मुहैया कराने का ठेका दिया गया था। इस घोटाले ने इसलिए तूल पकड़ा और राजनीतिक रंग ले लिया है कि इसमें वहां के पंचायत और कृषि राज्यमंत्री के दो बेटों को भी गिरफ्तार किया गया है।

गुजरात ही नहीं, देश के अन्य हिस्सों में भी मनरेगा में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार के किस्से उजागर हो रहे हैं। मुजफ्फरपुर में भी मनरेगा भ्रष्टाचार का शिकार हो गया है। जिले के कई ब्लॉक में मनरेगा में भ्रष्टाचार हो रहा है। फर्जी हाजिरी और फोटो घोटाले से हर दिन लाखों रुपये की लूट हो रही है। एक ही फोटो को बार-बार इस्तेमाल करके लाखों रुपये निकाले जा रहे हैं। गुजरात में मंत्री के बेटों के द्वारा मनरेगा लूट एवं भ्रष्टाचार अधिक परेशान करने वाला एवं चिन्ता में डालने वाला है। नेता, मंत्री एवं प्रशासनिक अधिकारी अच्छे-बुरे, उपयोगी-अनुपयोगी का फर्क नहीं कर पा रहे हैं। मार्गदर्शक यानि नेता शब्द कितना पवित्र व अर्थपूर्ण था पर अब नेता खलनायक बन गया है। नेतृत्व व्यवसायी एवं भ्रष्टाचारी बन गया। आज नेता शब्द एक गाली है। जबकि नेता तो पिता का पर्याय था। उसे पिता का किरदार निभाना चाहिए था। पिता केवल वही नहीं होता जो जन्म का हेतु बनता है अपितु वह भी होता है, जो अनुशासन सिखाता है, ईमानदारी का पाठ पढ़ाता है, विकास की राह दिखाता है। आगे बढ़ने का मार्गदर्शक बनता है। अब तक आम आदमी पार्टी, कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, झारखण्ड मुक्ति मोर्चा, राष्ट्रीय जनता दल आदि राजनीतिक दलों में ही भ्रष्टाचार के किस्से सामने आ रहे थे, अब भाजपा नेताओं एवं मंत्रियों पर भी ऐसे आरोप लगना ज्यादा चिन्ताजनक है। प्रश्न भाजपा का ही नहीं है, भ्रष्टाचार जहां भी हो, उसका खिलाफ बिना किसी पक्षपात के कार्रवाई की जानी चाहिए। भाजपा एक राष्ट्रवादी पार्टी है, नया भारत एवं सशक्त भारत को निर्मित करने के लिये तत्पर है तो उसकी पार्टी के भीतर भी यदि भ्रष्टाचार है तो उसकी सफाई ज्यादा जरूरी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी किसी भी दल के नेताओं के भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई का बिगुल बजाए हुए हैं तो यह नये भारत, सशक्त भारत, ईमानदार भारत बनाने की सार्थक पहल है। राजनीतिज्ञों, जजों, प्रशासनिक अधिकारियों की साख गिरेगी, तो राष्ट्र की साख बचाना भी आसान नहीं होगा। चहुंओर पसरे बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार से विकास के दावों का विद्रूप रूप ही सामने आता है। हमारे पास कार्यपालिका, न्यायपालिका एवं राजनीति ही समाज की बेहतरी का भरोसेमंद रास्ता है और इसकी साख गिराने वाले कारणों में अपराधीकरण और भ्रष्टाचार के बाद तीसरा नंबर कीचड़ उछाल राजनीति का भी है, जिसमें गलत को गलत नहीं माना जाता। ये तीनों ही ऐसे औजार है, जो देश को तबाही की ओर ले जाते हैं। अपराधीकरण और भ्रष्टाचार का मसला काफी गहरा है और इससे खिलाफ आरपार की लड़ाई के लिए काफी कठोरता, निष्पक्षता, वक्त और ऊर्जा की जरूरत है, सख्त कदम उठाने की अपेक्षा है। ऐसी ही उम्मीदभरी एवं भ्रष्टाचार-निरोधक कार्रवाई से भारत का लोकतंत्र समृद्ध हो सकेगा।

केन्द्रीय गृह अमित शाह का 31 मार्च 2026 के पहले नक्सलवाद को खत्म करने के आश्वासन पर बढ़ते कदम

अशोक भाटिया

नक्सलवाद को खत्म करने की लड़ाई में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए सुरक्षा बलों ने छत्तीसगढ़ के नारायणपुर में एक ऑपरेशन में सीपीआई -माओवादी के महासचिव नंबाला केशव राव उर्फ बासवराजू सहित 27 खूंखार माओवादियों को मार गिराया । छत्तीसगढ़ में नक्सलियों के खिलाफ चल रहा अभियान बहुत बड़े मुकाम तक पहुंचा है। इसमें 21 मई 2025 को नक्सली इतिहास के पन्ने में नक्सली सफाई का एक ऐसा अध्याय लिख दिया गया है, जो अब नक्सलियों के सफाई की अंतिम कहानी को लिखेगा। साल 1967 में पश्चिम बंगाल के नक्सलबाड़ी की कोख से जन्मे नक्सलवाद और उसकी लड़ाई में पहली बार ऐसा हुआ है, जब नक्सलियों के महासचिव की टीम से सीधी टक्कर हुई है। जिसमें उनका शीर्ष कमांडर मारा गया हो। नक्सलियों ने जब से अभियान की शुरूआत की थी, तब से लेकर आज तक ऐसा पहली बार हुआ है, जब किसी महासचिव कमांडर से सुरक्षा बलों की सीधी टक्कर हुई और इस टक्कर में सुरक्षा बलों को बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। इससे पहले महासचिव स्तर के कमांडर नीतियां बनाते थे। लड़ाई पहले लेयर के नक्सली लड़ते थे। लेकिन अब शायद वह लेयर भी खत्म हो गया है, जो सुरक्षा बलों के चलाए जा रहे अभियान की सबसे बड़ी कामयाबी है।

बताया जाता है कि नक्सलियों के लिए मई और जून का महीना उनके हिसाब किताब का महीना होता है। इस महीने में नक्सली अपने पूरे नेटवर्क का हिसाब किताब करते हैं। इस महीने को नक्सलियों के हिसाब किताब का महीना कहा जाता है। नक्सलियों के हिसाब किताब के महीने से तात्पर्य सिर्फ इस बात का नहीं है कि नक्सलियों को कितनी लेवी आई है या नक्सली कितना पैसा वसूले हैं। हिसाब किताब का महीना इसलिए इसे कहा जाता है कि नक्सली चाहे दवा का भंडारण हो या फिर खाने का सामान या बंदूक की जरूरत हो या फिर गोलियों की यह सभी हिसाब किताब मई और जून महीने में कर लेते हैं।

इस सफलता के पीछे की सबसे बड़ी वजह यह भी बताई जाती है कि जंगल में जहां नक्सली रहते हैं, उसके आसपास छोटी बड़ी नदियां होती हैं। मई और जून के महीने में इन नदियों में पानी नहीं होता है। जिसके कारण परिवहन बहुत आसान होता है। खाने पीने का सामान, दवाई या उससे जुड़ी चीज आसानी से बाजार से लेकर जंगल में उनके ठिकाने तक पहुंचाई जाती है। बारिश का महीना होने के बाद नदियों में पानी आ जाता है। फिर नदी पार करके इन सामानों को लाना काफी मुश्किल हो जाता है। इसलिए इस महीने में इनके भंडारण का सबसे ज्यादा काम होता है। इस बार इसी हिसाब किताब के महीने पर सुरक्षा एजेंसियों ने सबसे ज्यादा पहरा बैठा दिया है। जिसका परिणाम है कि अब नक्सलियों के महासचिव स्तर के कमांडर मारे जा रहे हैं।

इस ऑपरेशन में हमारे सुरक्षा बलों ने जिन 27 खूंखार माओवादियों को मार गिराया, उनमे ही नंबाला केशव राव, उर्फ बासवराजू भी शामिल है, जो सीपीआई-माओवादी का महासचिव, शीर्ष नेता और नक्सल आंदोलन की रीढ़ था। यह पहली बार है जब भारत की नक्सलवाद के खिलाफ तीन दशकों की लड़ाई में महासचिव स्तर के नेता को हमारे सुरक्षा बलों ने मार गिराया है ।गृह मंत्री ने कहा कि इस बड़ी सफलता के लिए वे हमारे बहादुर सुरक्षा बलों और एजेंसियों की सराहना करते हैं। श्री शाह ने कहा कि यह भी खुशी की बात है कि ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट के पूरा होने के बाद छत्तीसगढ़, तेलंगाना और महाराष्ट्र में 54 नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया और 84 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है।

ज्ञात हो कि नंबाला केशव राव उर्फ बसवराजू पर छत्तीसगढ़ सरकार ने एक करोड़ रुपए का इनाम घोषित किया था। आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और महाराष्ट्र में भी उस पर अलग-अलग इनाम घोषित थे। उसकी गिनती उन चुनिंदा नक्सल नेताओं में होती थी जो पोलित ब्यूरो और केंद्रीय समिति दोनों सर्वोच्च निकायों में शामिल था। उसे एक ऐसा नक्सल नेता माना जाता था जो जंगल में अपनी तीन स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था और नेटवर्क के कारण कभी भी पकड़ा नहीं गया। लेकिन इस बार सुरक्षा बलों ने उसे चकमा देते हुए मार गिराया है।

बसवराजू का जन्म आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले के जियान्नापेटा गांव में हुआ था। उसने वारंगल के इंजीनियरिंग कॉलेज से बीटेक किया था। लेकिन पढ़ाई के बाद उसने बंदूक उठा लिया। साल 1970 के दशक में उसने नक्सली आंदोलन से जुड़कर प्रकाश, कृष्णा, विजय, उमेश और कमलू जैसे कई छद्म नामों से काम करना शुरू कर दिया। वो शुरू में जमीनी कार्यकर्ता था, लेकिन जल्द ही संगठन की रणनीति और हथियारों की ट्रेनिंग में माहिर हो गया। साल 1992 में उसे पीपुल्स वार ग्रुप की केंद्रीय समिति का सदस्य बनाया गया।

उस वक्त इस ग्रुप का महासचिव गणपति हुआ करता था। बसवराजू को गणपति और सीतारामैया जैसे नेताओं से गुरिल्ला युद्ध का प्रशिक्षण मिला। उसने धीरे-धीरे सैन्य रणनीति, आईडी और बारूदी सुरंगों के संचालन में महारत हासिल कर लिया। साल 2018 में बसवराजू को सीपीआई (माओवादी) का महासचिव नियुक्त किया गया। उसने गणपति की जगह ली, जिसने उम्र और बीमारी के चलते पद छोड़ दिया था। लेकिन बसवराजू की कमजोरी यह रही कि उसके पास संगठन को राजनीतिक रूप से चलाने का अनुभव नहीं था।

इसलिए सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि उसके कार्यकाल में माओवादी आंदोलन रणनीतिक रूप से कमजोर हुआ। हालांकि वह सैन्य अभियानों के लिए जिम्मेदार रहा और बस्तर में कई बड़े हमलों की साजिश रचता रहा। सुरक्षा विशेषज्ञ और प्रोफेसर डॉ। गिरीशकांत पांडे बताते हैं, ‘बसवराजू एक सैन्य रणनीतिकार था लेकिन उसके पास राजनीतिक सोच का अभाव था। उसके नेतृत्व में माओवादी आंदोलन ने दिशा खो दी। यही वजह है कि माओवादी आंदोलन दिशा भटक गया। उसकी मौत माओवादी नेटवर्क की रीढ़ तोड़ने जैसा है।" नक्सलियों के खिलाफ पिछले दिनों हुई कारवाई की मिली जानकारी के अनुसार 1। 21 मई 2025 से पहले 21 दिनों में 31 नक्सली मारे गए हैं।2। नक्सलियों के लिए हथियार बनाने वाली लेथ मशीन को जप्त किया गया है। 3।नक्सलियों के 818 BGL सेल को बरामद किया गया है।4। 450 आईडी बम डिफ्यूज किए गए हैं।5। 2 साल के लिए नक्सलियों द्वारा रखा गया राशन जप्त किया गया है।6। बंदूक और दूसरे हथियार बनाने की दो फैक्ट्रियों को पकड़ा गया है।7। नक्सलियों के एक दर्जन से ज्यादा कैंप को ध्वस्त किया गया है।8। नक्सलियों के इलाज के लिए बनाए गए चार अस्पताल को पूरे तौर पर ध्वस्त कर दिया गया है।9। हथियारों का बड़ा जखीरा पुलिस ने बरामद किया है। 10। 21 मई 2025 को महासचिव को मारकर सुरक्षा बलों ने नक्सलियों के मनोबल को तोड़ दिया है।

पिछली नक्सलवादी घटनाओं के देखे तो 2003 में अलीपीरी बम विस्फोटः- आंध्र प्रदेश के तत्कालीन सीएम चंद्रबाबू नायडू की हत्या का प्रयास।2010 में दंतेवाड़ा नरसंहारः- इस हमले में 76 सीआरपीएफ जवान मारे गए थे।2013 में झीरम घाटी हमलाः- इसमें वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं सहित 27 लोग मारे गए थे।

2019 में श्यामगिरी हमलाः- बीजेपी विधायक भीमा मंडावी सहित पांच लोग मारे गए।

2020 में मिनपा एंबुशः- सुकमा में हुए नक्सली हमले में 17 सुरक्षाकर्मी शहीद हो गए थे।

2021 में टेकलगुड़ेम हमलाः- बीजापुर में उस साल का सबसे बड़ा नक्सली हमला, जिसमें 22 जवान शहीद हो गए।

सुरक्षा बलों को खुफिया सूचना मिली थी कि बसवराजू समेत संगठन की केंद्रीय समिति और पोलित ब्यूरो के कई सदस्य अबूझमाड़ के नारायणपुर-बीजापुर-दंतेवाड़ा ट्राई-जंक्शन पर डेरा डाले हुए हैं। इसके बाद चार जिलों नारायणपुर, बीजापुर, दंतेवाड़ा और कोंडागांव की डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड, एसटीएफ और अन्य इकाइयों ने संयुक्त ऑपरेशन शुरू किया। 70 घंटे चले इस अभियान में एक बड़े जंगल क्षेत्र की घेराबंदी की गई। मुठभेड़ के दौरान भारी गोलीबारी हुई। सुरक्षा बल बसवराजू के सुरक्षा घेरे को तोड़ने में सफल रहे।

इस अभियान में बसवराजू मारा गया। ऑपरेशन में डीआरजी का एक जवान शहीद हुआ, जबकि कुछ अन्य घायल हुए। बड़ी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद और इलेक्ट्रॉनिक सामग्री बरामद की गई। उसकी मौत से सीपीआई (माओवादी) को बड़ा झटका लगा है। सुरक्षा विशेषज्ञों के अनुसार, अब संगठन में ऐसा कोई अनुभवी नेता नहीं बचा है जो 40 से 50 वर्ष की उम्र का हो और नेतृत्व की क्षमता रखता हो। मौजूदा नेतृत्व या तो बुजुर्ग है या अनुभवहीन है। इससे नक्सली नेटवर्क के बिखराव की आशंका जताई जा रही है।छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि नक्सलियों के खिलाफ यह निर्णायक लड़ाई है। सुरक्षा बलों ने निश्चित तौर पर बड़ा काम किया है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि हमने अपने एक सिपाही को खोया है। लेकिन उसके बाद भी सुरक्षा बलों का मनोबल बढ़ा हुआ है। हर हाल में तय समय सीमा के भीतर हम नक्सल समस्या का समाधान छत्तीसगढ़ में करके रहेंगे। मोदी सरकार 31 मार्च 2026 से पहले नक्सलवाद को पूरी तरह समाप्त करने के लिए कटिबद्ध ह।

सत्ता की दौड़ में कहीं खो तो नहीं गया राष्ट्रहित?

-सुरेश गांधी

फिरहाल, पाकिस्तानी मीडिया में पहले राहुल गांधी की ओर से पूछा गया सवाल ट्रेंड में रहा...जिसमें उन्होंने अपने ही विदेश मंत्री से ये पूछा कि बताइए भारत के कितने लड़ाकू विमान मार गिराए गए हैं....रही सही कसर पवन खेड़ा ने तब पूरी कर दी जब उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर को सिंदूर का सौदा करार दिया...ये एक लाइन...सिंदूर का सौदा...पाकिस्तान के लिए ऑक्सीजन का काम कर गया...पवन खेड़ा का बयान हर पाकिस्तानी मीडिया ने हाथों हाथ लिया और नया प्रोपगेंडा शुरू कर दिया...ऐसे समय में जब भारत और पाकिस्तान दोनों देशों के डेलीगेशन दुनिया भर में जाकर अपनी बात कहने वाले हैं...उससे पहले अगर अपने ही देश में सेना के शौर्य और पराक्रम पर सवाल पूछा जाएगा...सरकार की नीयत पर सवाल उठाया जाएगा...तो क्या संदेश जाएगा ये समझना मुश्किल नहीं है...एक तरफ जहां कांग्रेस गलत पिच पर बैटिंग कर रही है...तो दूसरी तरफ बीजेपी की तरफ से पोस्टर वॉर के जरिये राहुल गांधी को आसिम मुनीर से कंपेयर किया जा रहा है...असदुद्दीन ओवैसी भी खूब चर्चा में हैं...पाकिस्तान में उनके बयानों से सदमा लगा हुआ है...फर्क यही है कि ओवैसी के बयान पाकिस्तान के नैरेटिव को तोड़ते दिखते हैं...जबकि कांग्रेस के बयान प्रोपगेंडों को हवा देने में मददगार साबित हो रहे हैं....अब सवाल है कि क्या सिंदूर का सौदा दुश्मन को फायदा पहुंचाने का इरादा है...सवाल ये कि भारत ने पाकिस्तान को जब घुसकर मारा है...फिर कांग्रेस को ये सिंदूर का सौदा क्यों नजर आ रहा है...सवाल ये भी कि मोदी से नफरत के चक्कर में कुछ नेता राष्ट्रहित और राष्ट्रविरोध का फर्क भूल गए हैं...

बता दें, 7 मई को सरकार ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी शिविरों को निशाना बनाया, जिसके बाद पाकिस्तान ने संघर्ष को और बढ़ा दिया. इसके बाद पाकिस्तान ने भारत के कई शहरों में ड्रोन और मिसाइलों से सैन्य और रिहायशी इलाकों को निशाना बनाया है. जवाब में भारत के ऑपरेशन सिंदूर ने पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों की रीढ़ तोड़ दी. दोनों ओर से की गई सैन्य कार्रवाइयों पर पूरी दुनिया की नजर थी....22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के रिश्ते रसातल तक पहुंचे हैं. भारत सरकार ने पाकिस्तान को सीमा पार आतंकवाद को बढ़ावा देने के लिए जिम्मेदार ठहराया है. लेकिन ऑपरेशन सिंदूर से लेकर ऑल पार्टी डेलिगेशन तक...कांग्रेस लगातार पॉलिटिकल सीजफायर का उल्लंघन कर रही है...सेना के पराक्रम पर सवाल उठा रही है, ऑपरेशन सिंदूर को छिटपुट घटना बात रही है। जबकि आर्मी एअर डिफेंस के महानिदेशक ले. जनरल सुमेर इवान डीकुन्हा ने जो बातें बताईं, उन्हें सुनकर आप चैंक जाएंगे। उन्होंने बताया कि पाकिस्तान जवाबी कार्रवाई कैसे करेगा, इसकी सटीक सूचना हमारी फौज के पास थी, इसीलिए हर ड्रोन और मिसाइल को नाकाम कर गिरा दिया गया। हमारी फौज को पता था कि पाकिस्तान कितने ड्रोन भेजेगा और कहां से भेजेगा, ये भी पता था कि पाकिस्तान की वायु सेना डर के मारे अपने फाइटर और बमवर्षक विमान नहीं उड़ाएगी। हमारी सेना को पता था कि पाकिस्तान कौन सी मिसाइल से हमला करेगा, कहां निशाना लगाएगा।

> **कांग्रेस पार्टी इन दिनों पाकिस्तान में जबरदस्त ट्रेंड में है. वजह है एक के बाद ऐसे बयान, जो पाकिस्तान को खूब सूट कर रहा है. भला क्यों नहीं? जिस पाकिस्तान को भारतीय जांबाजों ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत उसकी सीमा में घूसकर उसके नौ आतंकी ठेकानों को तहस-नहस कर दिया, उसके करॉची जैसे एअर डिफेंस सिस्टम को चकनाचूर कर दिया। इसकी गवाही खुद आतंकी सरगना मसूद अजहर चीख-चीख कह रहा है, मेरे 14 करीबियों की जगह कॉस मै मारा जाता! इस साहसी सैन्य ऑपरेशन में 100 से अधिक आतंकवादियों को मार गिराया गया, जो वर्षो से भारत के खिलाफ घातक योजनाएं बना रहे थे। इस त्रासदी से जब पाकिस्तान हर मोर्चे पर मारा-मारा फिर रहा था...इंटरनेशनल बेइज्जती झेल रहा था...तब कांग्रेसी नेताओं के ओछी हरकत वाले बयानों ने पाकिस्तान को प्रोपगेंडा फैलाने...फेक नैरेटिव बनाने और भारत के पराक्रम पर सवाल उठाने का मौका दे दिया है. खासतौर से तब जब भारत ने एक बार फिर साबित कर दिया कि बात राष्ट्र की सुरक्षा की हो, तो वह चुप नहीं बैठता। सेना के इस ऐतिहासिक पराक्रम ने जहां देशभर में गर्व और आत्मविश्वास की लहर दौड़ा दी, लेकिन धन्य है कांग्रेसी, जो इस पूरे ऑपरेशन को ह्यछिटपुट घटनाह्ण बता रहे हैं। एक बार फिर सेना की जांबाती का ह्यसबूतह्ण की मांग रहे है। ठीक उसी तरह जैसे सर्जिकल स्ट्राइक 2016 और बालाकोट एयर स्ट्राइक 2019 के बाद किया गया था। ऐसे में बड़ा सवाल तो यही है ह्ल100 आतंकी ढेर, 9 ठिकाने तबाह, फिर भी कांग्रेस को चाहिए सबूत? क्या कांग्रेसी की बेचैनी, ओछी बयानें, दुश्मन का फायदा पहुंचाने के लिए है? क्या कांग्रेस बोल रही है पाकिस्तान की भाषा? क्या राष्ट्रहित पर कांग्रेस को दकियानूसी वाली सियासत सूट करती है?**

8 मई से 10 मई के बीच रोज रात नौ बजे हमारे आसमान में पाकिस्तान की तरफ से भेजे गए सैकड़ों ड्रोन्स दिखाई देते थे और फिर हम देखते थे कि कैसे टिम टिम कर-के उन्हें आसमान में तबाह किया गया, ये कमाल हमारे एयर डिफेंस ने किया। एक-एक पाकिस्तानी ड्रोन को चुन-चुनकर सटीक निशाना लगाकर मार गिराया। इतना ही नहीं उन्होंने स्पष्ट शब्दों में ये खुलासा किया है कि पाकिस्तानी फौज अपना मुख्यालय भले ही रावलपिंडी से पेशावर या अफगानिस्तान या ईरान की सीमा तक ले जाए, वह भारत की सेना की मिसाइल्स की रेंज से बाहर नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना के पास ऐसे पर्याप्त हथियार हैं जिनसे वह पाकिस्तान के किसी भी कोने तक मार कर सकती है। इसके बावजूद महाराष्ट्र कांग्रेस विधायक विजय वडेट्टीवार ऑपरेशन सिंदूर की पारदर्शिता एवं चीनी ड्रोन और भारतीय मिसाइलों के इस्तेमाल पर सवाल उठाते हुए कहते फिर रहे है कि सरकार को नुकसान की जानकारी देनी चाहिए। फिरहाल, लेफ्टिनेंट जनरल डी कुन्हा की बात सुनकर ये तो साबित हो गया कि हमारी सेना पूरे विश्व में सर्वश्रेष्ठ है।

आधुनिक युद्धकला में हमारी बहादुर फौज का कोई मुकाबला नहीं। हमारी सेना को प्रधानमंत्री ने फ्री हैंड दिया इसीलिए वो खुलकर प्लान कर पाए और दुश्मन को तबाह कर पाए। सबसे बड़ी बात है कि हमारी सेनाओं की इंटेलिजेंस कमाल की थी। उन्हें सब पता था, पाकिस्तान में मौजूद आतंकी ठिकानों का सही पता मालूम था। पाकिस्तान कैसे जवाबी हमले करेगा, ये भी पता था। ड्रोन कहां से आएंगे, कितने आएंगे, ये भी अच्छी तरह मालूम था। पाकिस्तान डर के मारे अपने विमान नहीं उड़ाएगा, इसकी भी सूचना थी। हमारी सेना का लक्ष्य था, पहले पाकिस्तान का एयर डिफेंस सिस्टम उड़ाना, फिर उसके एयरबेस पर हमला करना। ये भी भारतीय सेना ने पहले से प्लान कर लिया था। हमारी सेना के बड़े जनरलों को बिलकुल पता था कि पाकिस्तानी फौज के जनरल्स का दिमाग कैसे काम करता है। इसीलिए भारतीय सेना का हर हमला सटीक और नियंत्रित था। एयर डिफेंस सिस्टम ऐसा था कि पाकिस्तान के एक-एक ड्रोन, एक-एक मिसाइल को नष्ट कर दिया। पुराने और नए सिस्टम के सम्मिश्रण से हमारी सेना ने साबित कर दिया कि रणनीति बनाने में उससे बेहतर कोई नहीं। आज पूरे देश को विश्वास है कि आने वाले किसी भी खतरे का मुकाबला करने के लिए भारतीय सेना पूरी तरह तैयार है, सक्षम है, तत्पर है.

जब देश की बात हो...जब सीमा पर जवान सीना ताने खड़ा हो...जब आतंकी ठिकाने राख हो जाएं...... जब जवान खून बहा रहे हों...तब कोई कहे द्द ह्लसबूत दो !ह्व जब देश आतंक पर विजय पा रहा हो...तब कोई बोले ह्लये तो बस छिटपुट था !ह्व क्या यही है राष्ट्रहित? तो फिर क्यों होती है सियासी तकरार? जबकि राष्ट्रहित कहता है सेना के साथ खड़े हो। आज देश पूछ रहा है, जब बात भारत की हो...जब सवाल सीमा की सुरक्षा का हो...तो क्या नेता राष्ट्र से ऊपर अपनी पार्टी देखेंगे? ह्लराजनीति कल भी होगी, आज भी है, कल भी रहेगी... पर अगर राष्ट्र न रहा तो ये सियासत किसके लिए?ह्व इस बात को समझना जरूरी है कि जब सीमा पर हमारे जवान अपने प्राणों को दांव पर लगाकर राष्ट्र की सुरक्षा सुनिश्चित कर रहे हों, तब देश के भीतर से सेना की कार्रवाई पर सवाल उठाना केवल सेना का ही नहीं, राष्ट्रीय एकता और आत्मबल का भी अपमान है। सबसे चिंताजनक बात यह रही कि कांग्रेस के बयान और पाकिस्तान सरकार की प्रतिक्रिया लगभग एक जैसी थी। पाकिस्तान के सूचना तंत्र ने कहा कि भारत की कार्रवाई में कोई खास नुकसान नहीं हुआ, और इधर कांग्रेस कह रही थी कि ये तो बस छोटी सी कार्रवाई थी, प्रमाण दो। क्या यह सिर्फ एक संयोग है? या फिर यह सोचने का समय है कि जब सेना लड़ रही होती है, विपक्ष किसके पक्ष में खड़ा होता है?

इस पूरे प्रकरण ने एक बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है, क्या भारत में अब राष्ट्रहित, राजनीति की जंग में पिछड़ता जा रहा है? कांग्रेस का तर्क हो सकता है कि विपक्ष का काम सवाल उठाना है। लेकिन सवाल ये है कि क्या ये सवाल उस समय उठने चाहिए जब जवानों की जान खतरे में हो, जब सीमा पर जंग जैसा माहौल हो, और जब देश को एकजुटता की सबसे ज्यादा जरूरत हो? इससे अंतरराष्ट्रीय मंच पर क्या संदेश जाएगा? इससे भी बड़ज्ञ सवाल यह है कि कल यही राजनीतिक दल जब अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे, तो वे आखिर क्या कहेंगे? क्या वो कहेंगे कि ह्लहमारी सेना की कार्रवाई में कुछ खास नहीं हुआह्ल? या फिर कहेंगे ह्लहमें तो अब तक कोई प्रमाण नहीं मिलाह्ल? इससे भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि को नुकसान नहीं होगा क्या? क्या इससे पाकिस्तान जैसे देशों को प्रचार करने का अवसर नहीं मिलेगा? इतिहास गवाह है... यह पहली बार नहीं है कि कांग्रेस ने सेना की कार्रवाई पर भरोसा जताने की बजाय प्रमाण मांगे हों, 2016 में में भी सर्जिकल स्ट्राइक व 2019 में बालाकोट एयर स्ट्राइक के बाद और अब 2025 में ऑपरेशन सिन्दूर के बाद सबूत मांगे जा रहे है। इन कांग्रेसियो को कौन समझाएं राजनीति एक लोकतंत्र की आत्मा है, लेकिन राष्ट्र उसकी नींव है। अगर नींव को ही कमजोर कर दिया जाए, तो ऊपर की संरचना कभी स्थिर नहीं रह सकती। आज आवश्यकता है एकता की, संयम की और सशक्त समर्थन की। जब जवान बंदूक लेकर सीमा पर खड़ा है, तब हमें कलम और माइक से उसका हौसला बढ़ाना चाहिए, न कि उसके बलिदान पर सवाल खड़ा करना चाहिए।

कांग्रेस द्वारा इसे छिटपुट घटना कहे जाने पर यह सवाल उठना लाजमी है कि क्या विपक्ष देश की एकजुटता को कमजोर कर रहा है या सिर्फ राजनीतिक समीक्षा कर रहा है। यदि कांग्रेस और पाकिस्तान सरकार दोनों एक जैसी बात कर रहे हैं, तो यह राजनीतिक तौर पर कांग्रेस के लिए नुकसानदेह हो सकता है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि कांग्रेस पाकिस्तान के साथ ह्लसुर मिलाह्ल रही है, जब तक यह आरोप तथ्यों से पुष्ट न हो। हर असहमति को देशविरोधी कहना लोकतंत्र की सेहत के लिए ठीक नहीं। वहीं, विपक्ष को भी संवेदनशील मामलों में सोच-समझकर बयान देने चाहिए। यह सवाल आज हर राष्ट्रवादी भारतीय के मन में है। जब पूरा देश सेना के पराक्रम पर गर्व कर रहा है, तब विपक्ष की ह्लसबूत मांगनेह्ल वाली राजनीति अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत को कमजोर साबित करने का हथियार बन सकती है।

भारतीय सुरक्षा एजेंसियों ने पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़े करीब 12 संदिग्धों की गिरफ्तारी से साफ है कि देश की सुरक्षा को खतरा सिर्फ सिर्फ सीमाओं पर ही नहीं बल्कि घर में बैठे भेदिए से भी है। खासकर तब जब कांग्रेस से दो कदम आगे बढ़कर कई राज्यों के कुछ भटके युवा सोशल मीडिया के जरिए देश की संवेदनशील जानकारियां दुश्मनों तक पहुंचा रहे हैं। चिंता की बात है कि अपने खतरनाक मंसूबों को पूरा करने के लिए सोशल मीडिया को यह लोग हथियार के रूप में इस्तेमाल करने लगे है। इनमें व्यवसाई यूट्यूबर भी शामिल है। जांच एजेंसियों ने खुलासा किया है कि जिन्हें गिरफ्तार किया गया है, वे सुविधाओं के लालच में जानकारियां एकत्रित कर दूसरे देशों को भेज रहे थे। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान खिलाफ कार्रवाई के दौरान जब समूचा देश एकजुट होकर सेना के साथ खड़ा था तब ये मोबाइल ऐप और सोशल मीडिया के जरिए सेना की हलचल और संवेदनशील जानकारियां दुश्मन को मुहैया करा रहे थे।

हरियाणा की यूट्यूबर ज्योति रानी मल्होत्रा हो या फिर देवेंद्र सिंह ढिल्लों, उत्तर प्रदेश का व्यवसाई आजाद हो या फिर मुर्तजा अली, गजाला और यामीन। यह सभी चेहरे हमारी आम जिंदगी के आसपास होते हैं, इनसे रोज मुलाकात होती है लेकिन इनके खतरनाक इरादों का पता नहीं चल पाता। इस तरह के अलग-अलग पृष्ठभूमि वाले लोगों का दुश्मन के जाल में फंसना खतरे की गंभीरता को बताता है कि अब दुश्मन को खास प्रोफाइल वालों की जरूरत नहीं है। वह सिर्फ सैन्य तकनीकी और गूढ़ रणनीति सूचनाएं उपलब्ध कराने वाले लोगों को अपने जाल में फंसा रहा है। इन लोगों पर शिकंजा कसने के लिए सुरक्षा एजेंसियों की तारीफ की जानी चाहिए। जिस तरह से जासूसी की कड़ियां जुड़ती जा रही है, उससे साफ है कि अभी और खुलासा होना बाकी है। सुरक्षा एजेंसियों के साथ आम नागरिक के रूप में हमारा भी कर्तव्य है कि वह अपने आसपास के लोगों पर नजर रखें और किसी भी तरह की संदीग्ध जानकारियां, पुलिस और सुरक्षाबलों को दें। अभिव्यक्ति की आजादी और संवेदनशील जानकारियों को सार्वजनिक करने के बीच किसी के लिए लक्ष्मण रेखा यही है कि किसी रूप में देश की सुरक्षा से समझौता नहीं किया जाए। जो लोग ऐसा करें, उन को सख्त से सख्त सजा दिलाना और इनकी मददगारों को सबक हसिखाना जरूरी है। हम इस डिजिटल सुरक्षा और जन जागरूकता पर ज्यादा ध्यान देना होगा।

क्या आपने देखा है रेड एनवेलप, एक नया रहस्य जो सबको कर रहा है हैरान

मुंबई (उत्तरशक्ति)। इन दिनों एक अजीबोगरीब लाल लिफाफा सुर्खियों में है लेकिन यह आपके मेलबॉक्स में नहीं, बल्कि फ्लाइट्स, लाउंज, होटलों, लोगों की बातचीत और अब सोशल मीडिया पर दिखाई दे रहा है। इसका कोई भेजने वाला नहीं है। कोई निर्देश नहीं। बस एक रहस्यमयी पंक्ति लिखी है: जिस 6 घंटे में आप यात्रा कर रहे थे, क्या आपके पैसे ने और पैसा कमाया? इस सिलसिले की शुरूआत एक रहस्यमयी व्यक्ति से हुई, जो उड़ान के दौरान किसी सीक्रेट सोसाइटी के बारे में गा रहा था। इसके कुछ ही समय बाद ये लाल लिफाफे अचानक सामने आने लगे, जिनके बारे में कहा जाता है कि ये किस्मत को सील कर देते हैं। कुछ लोगों का कहना है कि लिफाफे के अंदर का संदेश अचानक गायब हो गया, तो किसी ने दावा किया कि एक व्यक्ति ने घबराहट में लिफाफा निगल लिया। कुछ लिफाफे इंस्टाग्राम हैंडल @red.envelope.society तक पहुंचे, लेकिन वहाँ से कोई जवाब नहीं मिला झ सिर्फ और रहस्य भरी पहेलियाँ सामने आईं। बिजनेस ट्रैवलर्स से लेकर जनरेशन जी एक्सप्लोरर्स तक, हर कोई यही पूछ रहा है झ आखिर ये रेड एनवेलप सोसाइटी है क्या? भारतीय एयरपोर्ट्स पर कई जिज्ञासु यात्रियों को ये रहस्यमयी लाल लिफाफे मिलने लगे हैं। इनमें कभी कोई रहस्यमयी धुन होती है, तो कभी कोई नोट जो धन के रहस्यों की ओर इशारा करता है। कुछ लोगों ने बताया कि ये लिफाफे खुद-ब-खुद नष्ट हो गए, तो कुछ का कहना है कि इन्हें खोलने पर ये किसी गुप्त ऑनलाइन कोड तक ले जाते हैं।

तबेले में साथ में काम करने वाले अपने सहयोगी को बेरहमी से पीट-पीट कर उतारा मौत के घाट

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। नारपोली पुलिस थाना अंतर्गत मुंबई नासिक हाइवे स्थित मिनी पंजाब होटल के पास साई डेयरी नामक तबेले में काम करने वाले साथी की पैसे के विवाद में वाद विवाद से खिन्न होकर लोहे के दूध के डिब्बे से पीट पीट कर मौत के घाट उतार दिया । पुलिस द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार भैस के तबेले में काम करने वाले दीपक सेवालाल यादव (50), व बजरंग रामराव सुत्रावी (32) दोनों में पैसे के लेन देन को लेकर वाद विवाद (गाली गलौज) हुआ था । इसी बात का मलाल करके बजरंग सुत्रावी ने दीपक यादव को दूध के कैन से बुरी तरह पीट पीट कर मार डाला । पुलिस ने तबेला मालिक मोहन राम सिंह की फरियाद पर हत्या का मामला दर्ज कर बजरंग रामराव सुत्रावी को गिरफ्तार कर लिया । उक्त हत्या की जांच पुलिस निरीक्षक ज्ञानेश्वर कदम कर रहे हैं ।

क्लासमेट ने ग्रैंड मास्टर्स आर. प्रग्गनानंद और आर. वैशाली के साथ साझेदारी की

मुंबई। भारत के अग्रणी नोटबुक और स्टेशनरी उत्पाद ब्रांड ITC के क्लासमेट ने EDUGAMES INFINIT लॉन्च किया है, जो एक अभिनव गेमिफाइड नोटबुक है जो शिक्षा के साथ खेल को सहजता से जोड़ती है। इसमें सीखने को एक सुखद अनुभव में बदलने के उद्देश्य से एक मजेदार और आकर्षक पहल शामिल है। क्लासमेट EDUGAMES INFINIT अब एक अनूठा अभियान शुरू कर रहा है, जिसमें भाग लेने से हांगकांग डिज्नीलैंड जाने का मौका मिलेगा, जो जीवन में एक बार मिलने वाला अवसर है, क्लासमेट EDUGAMES INFINIT के मूल में यह विचार है कि सीखना आनंददायक होना चाहिए, जिससे सीखने के मजेदार पक्ष को बढ़ावा मिले। क्लासमेट नोटबुक के लोकप्रिय अंतिम पृष्ठ पर निर्माण- जिसे कई पीढ़ियों से छात्र पसंद करते आ रहे हैं - EDUGAMES INFINIT इस अवधारणा को अंतिम पृष्ठ की पहेलियों को इंटरैक्टिव, गेमीफाइड और पुरस्कृत करके एक नई बुलन्दियों पर ले जाता है। छात्र नोटबुक के अंतिम पृष्ठ को स्कैन कर सकते हैं और हर दिन एक नया गेम खेल सकते हैं। इसे जीवंत बनाने के लिए, क्लासमेट 24 मई से 30 शहरों में अभियान शुरू कर रहा है, जिसमें छात्रों को केवल क्लासमेट नोटबुक खरीदकर और EDUGAMES INFINIT खेलकर इस अभियान में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया जा रहा है। इस सीजन में, विश्व चैंपियन के साथ खेलने के विशेष अवसर के साथ अभियान और भी रोमांचक हो गया है। मशहूर भाई-बहन की जोड़ी और भारतीय शतरंज ग्रैंडमास्टर, आर. प्रग्गनानंद और आर. वैशाली भी 30 दिनों के लिए EDUGAMES INFINITY में शामिल होंगे, और पहेलियों की शक्ति के माध्यम से प्रतिदिन अपने दिमाग को तेज करेंगे। उनका मानना है कि पहेलियों के साथ दिमाग को व्यस्त रखना ध्यान केंद्रित करने और मानसिक रूप से चुस्त रहने का एक शानदार तरीका है।

टाटा मोटर्स ने लॉन्च की ऑल-न्यू ऑल्ट्रोज

मुंबई। भारत की प्रमुख ऑटोमोबाइल कंपनी टाटा मोटर्स ने आज ऑल-न्यू ऑल्ट्रोज को 6.89 लाख रुपये की शुरूआती कीमत पर लॉन्च करने की घोषणा की। अपने आकर्षक डिजाइन, शानदार इंटीरियर और एडवांस्ड फीचर्स के साथ, यह कार प्रीमियम अनुभव प्रदान करती है। ऑल-न्यू ऑल्ट्रोज प्रीमियम डिजाइन, बेजोड़ सुरक्षा, आधुनिक तकनीक और रोमांचक प्रदर्शन पर आधारित है। अपने नए बाहरी लुक, टेक्नोलॉजी से लैस लग्जरी केबिन, बेहतर कनेक्टिविटी और अब पहली बार एएमटी विकल्प के साथ विस्तारित मल्टी-पावरट्रेन लाइन-अप के साथ, ऑल्ट्रोज रोजमर्रा की ड्राइव को खास अनुभव में बदलने के लिए बनाई गई है। ऑल्ट्रोज ने प्रीमियम हैचबैक सेगमेंट में अपनी मजबूत पहचान बनाई है। यह अपनी श्रेणी में पहली और एकमात्र कार है जिसे 5-स्टार GNCAP रेटिंग मिली है, जिसने शुरूआत में ही सुरक्षा के नए मानक स्थापित किए। इसी मजबूत नींव के आधार पर, ऑल-न्यू ऑल्ट्रोज अब प्रीमियमनेस के एक नए और आकर्षक रूप में सामने आई है। इसमें सेगमेंट में पहली बार फ्लश डोर हैंडल और इन्फिनिटी कनेक्टेड एलईडी टेल लैंप जैसे डिजाइन तत्व शामिल हैं, जबकि ल्यूमिनेट एलईडी हेडलैंप्स के साथ इंटीग्रेटेड डीआरएल और आकर्षक 3D फ्रंट ग्रिल सड़क पर इसकी उपस्थिति को बेहद खूबसूरत बनाते हैं। अंदर, एग्जीक्यूटिव लाउंज-शैली की रियर सीट्स, बेहतर थाई सपोर्ट, सॉफ्ट-टच ग्रैंड प्रेस्टीजिया डैशबोर्ड, एम्बिएंट लाइटिंग और विशाल लेआउट मिलकर एक शानदार और आरामदायक केबिन अनुभव प्रदान करते हैं। यह कार पेट्रोल, सेगमेंट में एकमात्र डीजल और टाटा मोटर्स की अग्रणी iCNG ट्विन सिलेंडर टेक्नोलॉजी में उपलब्ध है। ऑल-न्यू ऑल्ट्रोज विभिन्न ट्रांसमिशन विकल्पों: 5-स्पीड मैनुअल, रिफाइंड 6-स्पीड डीसीए और नया 5-स्पीड एएमटी में भी उपलब्ध होगी। इससे ज्यादा से ज्यादा ग्राहकों को ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन की सुविधा मिलेगी। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल लिमिटेड और टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री शैलेश चंद्रा के अनुसार, पिछले 5 सालों में हमारी यात्रा तेजी से विकास और बदलाव से भरी रही है। अब, हम वित्त वर्ष 2026 में छोटे कदमों की बजाय एक बड़ा उछाल चाहते हैं।

तारापुर में हुई युवक की हत्या के मामले का पुलिस ने किया खुलासा, सात आरोपी गिरफ्तार

पालघर (उत्तरशक्ति)। तारापुर पुलिस थाने में दर्ज एक हत्या के मामले का सफलतापूर्वक खुलासा करते हुए पालघर की स्थानीय अपराध शाखा को बड़ी सफलता मिली है। यह घटना पालघर जिले के बोईसर शहर के पास ग्राम पंचायत पास्थल अंतर्गत स्थित आंबटगोड मैदान में 15 मई 2025 की रात से 16 मई की सुबह के बीच घटी थी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार शिकायतकर्ता राम कालिका सिंह (60 वर्ष), निवासी जिजाऊनगर, रिमझीम अपार्टमेंट, पास्थळ, मूल निवासी झ कोतवालपुर, जिला जौनपुर (उत्तर प्रदेश) ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई कि उनके बड़े पुत्र अभिषेक राम सिंह (36 वर्ष) की किसी अज्ञात व्यक्ति ने धारदार हथियार से सिर के पीछे वार कर हत्या कर दी है। इस मामले में तारापुर पुलिस थाने में बी.एन.एस. की धारा 103(1) के तहत 16 मई को दोपहर 1:48 बजे अपराध दर्ज किया गया था। इस घटना की गंभीरता को देखते हुए पालघर के पुलिस अधीक्षक बालासाहेब पाटील ने स्थानीय अपराध शाखा की विशेष टीमों को घटनास्थल पर भेजकर जांच के निर्देश दिए। टीमों ने सीसीटीवी फुटेज की जांच, चश्मदीदों से पूछताछ और तकनीकी सहायता से जांच आगे बढ़ाई। जांच के दौरान अलग-अलग राज्यों झ गुजरात, बिहार और महाराष्ट्र के विभिन्न स्थानों पर टीमें भेजी गईं।

पुलिस ने सात संदिग्धों को हिरासत में लिया है, जिनमें एक नाबालिग भी शामिल है:

1. भुषण सुरेश धोडी (19), पास्थल, पालघर
2. केतन रमेश शिणवार (20), अटलेपाडा, वारंगडे, बोईसर
3. रोहित संजय कवले (19), मानपाडा, बोईसर
4. दिवेश संतोष सुतार (18 वर्ष 6 माह), काटकरपाडा, बोईसर
5. विशाल नंदू सोमण (23), सोमनपाडा, पास्थल
6. साहिल राजेंद्र पवार (18), सोमनपाडा, पास्थल
7. एक विधि संघर्षित बालक (16 वर्ष)

प्राप्त जानकारी के अनुसार 15 मई की रात आरोपियों ने एक आरोपी के घर पर पार्टी की और फिर रात करीब 2 बजे मोटरसाइकिल से बाहर निकले। जब वे आंबटगोड मैदान से गुजरे, तो देखा कि मृतक वहीं सो रहा था। आरोपियों ने उससे बहस की, गाली-गलौच की और मारपीट शुरू कर दी। मृतक उनसे बचने के लिए भागा, लेकिन आरोपियों ने पीछा कर लोहे की रॉड से उसके सिर पर वार कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पूछताछ में सभी आरोपियों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। हत्या का कारण पुरानी दुश्मनी थी या कोई अन्य वजह झ इस दिशा में जांच जारी है। सभी व्यस्क आरोपियों को 20 मई को गिरफ्तार किया गया, जबकि नाबालिग आरोपी के खिलाफ किशोर न्याय अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा रही है। उक्त कारवाई को सफल बनाने में बालासाहेब पाटील (पुलिस अधीक्षक, पालघर), विनायक नरले (अपर पुलिस अधीक्षक), विकास नाईक (उपविभागीय अधिकारी) के मार्गदर्शन में प्रदीप पाटील (पी आई, स्थानीय अपराध शाखा), सपोनि/अनिल व्हटकर, सपोनि/निवास कणसे, तारापुर पोलीस ठाणे, पोउनि/स्वप्नील सावंतदेसाई, पोउनि/रोहीत खोत, पोउनि/गोरखनाथ राठोड, पोहवा/दिपक राऊत, पोहवा/संदिप सरदार, पोहवा/राकेश पाटील, पोहवा/नरेंद्र पाटील, पोहवा/दिनेश गायकवाड, पोहवा/विजय ठाकुर, पोहवा/कपिल नेमाडे, पोहवा/भगवान आव्हाड, पोना/कल्याण केंगार, पोअमं/प्रशांत निकम, पोअमं/वैभव जामदार आदि ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

रवि व्यास की राजस्व मंत्री से मांग, मीरा भायंदर में खुले नवीन भूमापन व अभिलेख कार्यालय

भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर शहर में नवीन भूमापन व अभिलेख कार्यालय खोलने की मांग को लेकर भाजपा 145 विधानसभा चुनाव प्रमुख एडवोकेट रवि व्यास ने महाराष्ट्र के राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले को पत्र लिखा है। पत्र में रवि व्यास ने कहा है कि 15 लाख से अधिक आबादी वाला मीरा भायंदर तेजी से विकास की तरफ अग्रसित है। शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा आदि से जुड़ी तमाम सुविधाएं होने के बावजूद यहां भूमापन व अभिलेख कार्यालय नहीं है। प्लॉट सर्वेक्षण तथा इससे जुड़े अन्य कार्यों के लिए लोगों को ठाणे जाना पड़ता है, जिसके चलते समय तथा पैसे का अपव्यय होता है। साथ ही अधिकारियों से मिलने के लिए अपॉइंटमेंट लेना पड़ता है। व्यास ने कहा कि मीरा भायंदर में नवीन भूमापन व अभिलेख कार्यालय के खुल जाने से शहर के लोगों को आवागमन की परेशानियों के साथ-साथ पैसे के अपव्यय से भी मुक्ति मिलेगी। उन्होंने कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि जल्द ही मीरा भयंदर शहर में नवीन भूमापन व अभिलेख कार्यालय शुरू हो जाएगा।

मजदूरों के न्याय के लिए मीरा भायंदर में मनसे आक्रमक

उदयभान गुप्ता

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर में मनसे अध्यक्ष संदीप राणे ने महानगरपालिका के अधिकारियों को लिया आड़े हाथ। प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताइए सारी बातें किस तरह से ठेका कर्मचारी, विभाग को दो महीने से वेतन नहीं मिला है। कई कर्मचारियों को उनका पीएफ नहीं मिला है। और ई.एस.आय. सी. नहीं मिला है।, आगे उन्होंने बताया कि मीरा भायंदर महानगरपालिका के संबंधित अधिकारी इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। यहां अधिकारी ठेकेदार का साथ दे रहा हैं। और कर्मचारियों पर ध्यान नहीं दे रहा हैं।

इन सभी विभागों में ठेकेदार अपना मनमानी कर रहे हैं। किसी भी विभाग में कर्मचारियों को समय पर वेतन नहीं मिल रहा है। उन्हें दो-तीन महीने से वेतन नहीं मिल रहा है, कभी-कभी तो तीन-तीन महीने से भी

अधिक समय से वेतन नहीं मिल रहा है। इसके कारण मजदूर वर्ग भी परेशान है। कई मजदूरों के घर की स्थिति बिल्कुल भी अच्छी नहीं है, लेकिन वे इस उम्मीद में काम कर रहे हैं कि आज या कल उन्हें वेतन मिल जाएगा। हालांकि, उनके लिए अपने घर का गुजारा करना मुश्किल होता जा रहा है, लेकिन इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रहा है। आगे उन्होंने कहा कि, इस मुद्दे को स्थायी रूप से हल करने के लिए कृपया अधिकारी हमारे साथ विस्तार से चर्चा करने हेतु अपना बहुमूल्य समय दें।

उपरोक्त मामला बहुत गंभीर है और संविदा कर्मचारियों के साथ अन्याय हो रहा है और हम इस अन्याय को बर्दाश्त नहीं करेंगे। सभी विभागों के सभी संबंधित अधिकारियों, सभी विभागों के सभी ठेकेदारों और आप, आयुक्त की एक संयुक्त बैठक की आवश्यकता है। हम आपसे अनुरोध करते हैं कि अगले दस दिनों में अपने आयुक्त कार्यालय में एक संयुक्त बैठक आयोजित करें।

अगर आप अगले दस दिनों में इस मुद्दे पर संयुक्त बैठक नहीं करते हैं, तो इस मुद्दे के लिए आयुक्त के केबिन में मनसे स्टाइल में विरोध प्रदर्शन किया जाएगा और मीरा भाईंदर महानगरपालिका के आयुक्त या महानगरपालिका के अधिकारियों के गाड़ी पर पत्थर फेंका जाएगा

कृपया यह भी ध्यान रखें कि कानून एवं व्यवस्था से संबंधित किसी भी समस्या के लिए आप पूरी तरह जिम्मेदार होंगे। ऐसा मनसे मीरा भाईंदर शहर अध्यक्ष संदीप राणे ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा।

कुर्ला में विधायक राजहंस सिंह के प्रयासों से विकास कार्यों की शुरूआत हुई

मुंबई (उत्तरशक्ति)। कुलां के वार्ड क्रमांक 166 के विभिन्न इलाकों में मुंबई भाजपा उपाध्यक्ष एवं विधायक राजहंस सिंह के विधायक निधि से विकास कार्यों की शुरूआत हुई है.। भाजपा जिला महासचिव डॉ. नितेश राजहंस सिंह की मौजूदगी में अल-अलग स्थानों पर विकास कार्यों की शुरूआत हुई।बताया जाता है कि एचडीआईएल बिल्डिंग परिसर में लादीकरण के साथ ही डक्ट एवं चेंबर को उंचा किया जाना है। जिससे की लोगों को बारिश में मुश्किलों का सामना नहीं करना पड़े. ड्रेनेज लाइन सुधारने का काम होगा इसी तरह, विधायक निधि से गफूर खान इस्टेट में ड्रेनेज लाइन का काम किया जाना है. जयभवानी चौक परिसर में पवार ब्लॉक

व ड्रेनेज लाइन के साथ ही श्री विघ्नेश्वर मित्र मंडल व तारा बाई कंपाउंड में गटर व लादीकरण कारण का काम किया जाना है. भाजपा जिला महासचिव डॉ. नितेश सिंह ने बताया कि शांतिनगर नवरात्रोत्सव मंडल के आग्रह पर वाचनालय का निर्माण एवं छत्रपति संभाजी महाराज चौक पर समाज मंदिर का नूतनीकरण एवं सड़क का कांक्रीटीकरण भी इस दौरान किया जाएगा. इस अवसर पर भाजपा के न्यू मिल रोड मंडल के अध्यक्ष दीपू सिंह, कुर्ला मंडल अध्यक्ष शैलेश नगरकर, वार्ड अध्यक्ष प्रणव सावंत सहित पार्टी के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

हर्षोल्लाश से मनाई गयी भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा द्वारा कामतघर में महारानी अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी के कामतघर क्षेत्र के हनुमान नगर स्थित तुलजा भवानी मंदिर प्रांगण में भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा द्वारा मनाई गयी महारानी अहिल्या बाई होलकर की 300वीं जयंती के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन । बतादें कि महारानी अहिल्याबाई होल्कर की जयंती के अवसर पर भिवंडी पश्चिम विधानसभा के विधायक महेश चौगुले के मार्गदर्शन पर भिवंडी जिलाध्यक्ष रविकांत सावंत व पूर्व जिलाध्यक्ष एडवोकेट हर्षल पाटिल के नेतृत्व में भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा अध्यक्ष मंगेश यादव की देख रेख में दो दिनों से क्षेत्र में सफाई अभियान शुरू किया गया ।

वहीं कार्यक्रम के आयोजक भजपा उत्तर भारतीय मोर्चा अध्यक्ष मंगेश यादव ने कहा कि महारानी अहिल्याबाई को नारी शक्ति और सामाजिक समरसता का प्रतीक बताते हुये कहाकि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने विधवा पुनर्विवाह को प्रोत्साहित किया और बाल विवाह पर रोक लगाने के साथ स्वधर्मो रक्षति रक्षितः के वैदिक सिद्धांत को न केवल जीवन में अपनाया बल्कि उसे मूर्त रूप भी दिया । इस कार्यक्रम को सफल बनाने में भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा भिवंडी शहर जिला महासचिव रामनारायण सोनी , उपाध्यक्ष मुकेश चौबे , उपाध्यक्ष मनीष यादव , सचिव गुड्डी रावत , मंजुलता दुबे , पूनम चौहान , नीतू सिंह , माया पांडेय , नीता रावत , विनोद अनंगला , अमित शुक्ला , जिलाजीत मौर्या , फूलबरन यादव , पवन यादव , अनिल यादव , पत्रकार संतोष सोनी , सुनील पांडे , रमन पंडित आदि भाजपा के असंख्य कार्यकर्ता उपस्थित थे ।

महाराष्ट्र राज्य सफाई कर्मचारी आयोग ने सफाई कर्मचारियों के अधिकारों को लेकर मुंबई महानगरपालिका में ऐतिहासिक बैठक की

मुंबई (उत्तरशक्ति)। सफाई कर्मचारियों की प्रलंबित मांगों और उनके अधिकारों को लेकर महाराष्ट्र राज्य सफाई कर्मचारी आयोग के अध्यक्ष शेर सिंह उर्फ सतीश डागोर के नेतृत्व में मुंबई महानगरपालिका के आयुक्त कार्यालय में एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक बैठक हुई। इस बैठक में अतिरिक्त मनपा आयुक्त अभिजीत बांगर और उपायुक्त किरण दिघावकर ने सक्रिय रूप से भाग लिया। अखिल भारतीय सफाई कामगार यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोविंदभाई परमार के करकमलों द्वारा संचालित इस बैठक में अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। जिसमें प्रमुख रूप से चेंबूर के माहुल में मालिकाना हकः सरकारी परिपत्र क्रमांक 1 24/02/ 2023 और 28/01/ 2025 के आधार पर तत्काल कार्रवाई की मांग,मल-मूत्र निस्तारण, सीवरेज प्रबंधन, बाजार एवं बूचड़खाना विभागों के कर्मचारियों को उत्तराधिकार अधिकार देने की प्रक्रिया शुरू करने को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। इसके अलावा अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस, मुंबई महानगरपालिका की कचरा प्रबंधन प्रणाली में कचरा संग्रहण (मोटरलोडर) परिवहन कार्य के निजीकरण करने की

महानगरपालिका प्रशासन की प्रस्तावित परियोजना का कड़ा विरोध किया, इसी तरह दादर के गौतम नगर कॉलोनी में आयोग की मंजूरी के बिना गौतम नगर सेवा आवास में फ्लैटों के ध्वस्तीकरण पर रोक, अतिरिक्त आयुक्त ने यहां 15 कर्मचारियों पर किए गए निलंबन को तत्काल रद्द करने का आदेश जारी किया। बैठक में अपर आयुक्त बांगर ने घोषणा की कि, ₹सफाई कर्मचारियों के खिलाफ किसी भी तरह का अन्याय बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सभी मामलों का पारदर्शी और शीघ्रता से निपटारा किया जाएगा। आयोग के अध्यक्ष ने अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस यूनियन के कार्यालय का दौरा किया और कामगारों से चर्चा की। इस अवसर पर यूनियन की ओर से आयोग के अध्यक्ष का हर्षोल्लास के साथ स्वागत किया गया।

इस बैठक में प्रमुख रूप से आयोग के अध्यक्ष शेर सिंह उर्फ सतीश डागोर, सदस्य डॉ. राजेंद्र राय शर्मा,अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस यूनियनः राष्ट्रीय अध्यक्ष गोविंदभाई परमार, राष्ट्रीय सचिव एस. लीना डिसूजा, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष राजेश टाकेकर, रवि गवली (मुंबई अध्यक्ष), नवीनचंद्र मकवाना (उपाध्यक्ष), मनीषा खाखड़िया (उपाध्यक्ष) इसी तरह,गौतम नगर के रहिवासी प्रतिनिधि में बौद्ध समाज के मंगेश साळुंखे, राजेश जाधव, विलास खैरे ,दिनाबेन राठोड (मेघवाल समाज अध्यक्ष), नारायणभाई सोलंकी, नरेंद्र साखरिया (रुखी समाज अध्यक्ष) के अलावा अनेक लोग उपस्थित थे। बैठक में अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

ओबेन इलेक्ट्रिक स्वदेशी प्लेटफॉर्म ओ100 करेगी लॉन्च

मुंबई। भारत की घरेलू और रिसर्च-बेस्ड इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल कंपनी ओबेन इलेक्ट्रिक ने आज घोषणा की कि वह अपने दूसरे स्वदेशी इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल प्लेटफॉर्म ओहंड्रेड पर काम कर रही है। यह नया प्लेटफॉर्म बेंगलुरु में स्थित ओबेन के अत्याधुनिक आरएंडडी सेंटर में तैयार किया गया है। इस प्लेटफॉर्म के जरिए कंपनी अब 100 के बराबर वाली मोटरसाइकिल कैटेगरी में कदम रखेगी, जो भारत के टू-व्हीलर बाजार का लगभग 30% हिस्सा है। यह ओबेन इलेक्ट्रिक की एक रणनीतिक पहल है ताकि ज्यादा से ज्यादा कस्टमर्स तक पहुंचा जा सके।

ओहंड्रेड प्लेटफॉर्म को एक नई पीढ़ी की सस्ती इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिलों के लिए तैयार किया गया है, जिसकी कीमत 1 लाख रूपए से कम होगी। यह खासतौर पर भारत के आम रोजाना सफर करने वाले कस्टमर्स की जरूरतों को ध्यान में रखकर बनाया गया है। इस प्लेटफॉर्म की सबसे बड़ी खासियत है स्केलेबिलिटी, यानी इसे आसानी से आगे और बेहतर बनाया जा सकता है और जल्दी से बड़े पैमाने पर प्रोडक्शन शुरू किया जा सकता है। इससे ओबेन इलेक्ट्रिक को अलग-अलग तरह की हाई क्वालिटी वाली इलेक्ट्रिक बाइक्स तैयार करने में मदद मिलेगी, जो अलग-अलग तरह के कस्टमर्स की जरूरतों को पूरा करेंगी। ओहंड्रेड की बनावट मॉड्यूलर और वर्सटाइल है, जिससे यह कई अलग-अलग वेरिएंट, बैटरी ऑप्शन और कस्टमर्स की पसंद के अनुसार फीचर्स को सपोर्ट करता है। यह प्लेटफॉर्म भविष्य के लिए तैयार है. इसमें नई टेक्नोलॉजी और इवी चार्जिंग जैसी बुनियादी सुविधाओं को आसानी से जोड़ा जा सकता है। यही बात इसे भारत जैसे किफायती बाजारों के लिए लंबे समय तक उपयोग लायक और मजबूत विकल्प बनाती है।

ओबेन इलेक्ट्रिक की फाउंडर और सीईओ मधुमिता अग्रवाल ने कहा, 'ओबेन इलेक्ट्रिक में हम हर चीज को एक मकसद के साथ डिजाइन और तैयार करते हैं ताकि असली जिंदगी की यातायात से जुड़ी समस्याओं का हल निकाला जा सके। हमारा नया प्लेटफॉर्म ओहंड्रेड, खासतौर पर भारत के रोजाना सफर करने वाले लोगों के लिए बनाया गया है और इसका मकसद है कि हर भारतीय के लिए इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल को एक आसान और व्यावहारिक विकल्प बनाया जाए। हमने अपनी खुद की एलएफपी बैटरी टेक्नोलॉजी और बाकी जरूरी हिस्सों जैसे मोटर, व्हीकल कंट्रोल यूनिट और चार्जर को पूरी तरह इन-हाउस (अपने प्लांट में ही) डिजाइन और तैयार किया है। इसकी मदद से हमने एक मजबूत और पूरी तरह एकीकृत प्लेटफॉर्म बनाया है, जो नई पीढ़ी की इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिलों का आधार बनेगा और शहरी और ग्रामीण दोनों भारत में ईवी अपनाने की रफ्तार को तेज करेगा।' ओबेन का पहला बाइक प्लेटफॉर्म एआरएक्स है, जो परफॉर्मेंस पर फोकस करने वाले Oben Rorr और Rorr ऐ जैसे इलेक्ट्रिक बाइक्स को पावर देता है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालयः
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

वाराणसी साइबर क्राइम पुलिस टीम द्वारा साइबर ठगी करने वाले गैंग को किया गिरफ्तार

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में BSG फर्जी क्रिप्टो करेंसी के नाम पर करोड़ों रुपए की ठगी करने वाले सरगना सहित तीन शातिर साइबर अपराधी गिरफ्तार। आरोपी जनपद बदायूं, जनपद उन्नाव, वाराणसी रामनगर, के रहने वाले हैं। आरोपी के पास से मोबाइल लैपटॉप नगद बरामद गिरफ्तार करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक अजय राज वर्मा, निरीक्षक विजय नारायण मिश्र, एसएसआई श्याम लाल गुप्ता, हेड कांस्टेबल रजनीकांत, कांस्टेबल चंद्रशेखर यादव, कांस्टेबल पृथ्वीराज सिंह, महिला कांस्टेबल प्रीति सिंह, अंकित सिंह, विजय कुमार, आदि शामिल रहें। गिरफ्तार करने वाली साइबर क्राइम टीम को डीसीपी क्राइम द्वारा 10000. का नगद पुरस्कृत किया गया।

सरपतहां : मारपीट की शिकायत पर पहुंची पीआरवी टीम के साथ अभद्रता

* छेड़छाड़ के आरोपी को पकड़ने पहुंची डायल 112 के सिपाही ने मचाया तांडव
* सिपाही की करतूत का वीडियो वायरल
*पीआरवी कमांडर के साथ गाली-गलौज एवं शासकीय कार्य में बाधा :क्षेत्राधिकारी शाहगंज
*थाना सरपतहां पुलिस टीम द्वारा यूपी-112 के कर्मचारीगण के शासकीय कार्य में अवरोध करने वाले 05 अभियुक्तगण को किया गया गिरफ्तार

-शिव कुमार प्रजापति

शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना सरपतहां पुलिस द्वारा यूपी-112 के कर्मचारीगण के शासकीय कार्य में अवरोध करने वाले 05 अभियुक्तगण को दबिश देकर

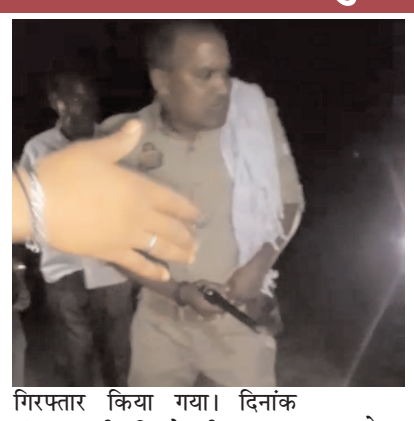

गिरफ्तार किया गया। दिनांक मंगलवार की रात्रि को यूपी-112 पर चंद्र कुमार पुत्र रामलवट सिहं निवासी अम्बेडकरनगर को ग्राम कोइरीपुर थाना सरपतहा में बंधक बनाकर, मारपीट करने की सूचना प्राप्त हुआ। उक्त सूचना पर जब पीआरवी 2327 मौके पर पहुंची तो पीआरवी कमांडर हे0का0 बलवंत पाल और ड्राइवर हो0गा0 सुनील कुमार को शेष कुमार, अर्पित, जियालाल, सचिन पुत्र सुभाष, अमित, सचिन पुत्र संजय, अजय, आलोक, नीरज, करीना, अरुण, गयाप्रसाद, साजन, जितेन्द्र व अन्य व्यक्तियों द्वारा घेर लिया गया और गाली गलौच करते हुए मुजाहमत कर शासकीय कार्य में अवरोध उत्पन्न किया गया तथा वीडियो वायरल किया गया। इस घटना का तत्काल संज्ञान लेते हुए हे0का0 बलवंत पाल की तहरीरी सूचना पर थाना सरपतहा पर मुकदमा पंजीकृत करते हुए नामजद अभियुक्तगण नीरज, जियालाल, आलोक कुमार उर्फ सचिन, देवेन्द्र, करीना को दबिश से गिरफ्तार किया गया। अग्रिम विधिक कार्यवाही प्रचलित है।गिरफ्तार अभियुक्त नीरज कुमार पुत्र लालदेव नि0 कोईरीपुर थाना सरपतहाँ जौनपुर। जियालाल पुत्र रामदवर नि0 कोईरीपुर थाना सरपतहाँ जौनपुर।

आलोक कुमार उर्फ सचिन पुत्र स्व0 अभयराज हरपुर चकिया थाना अखण्डनगर जनपद सुलतानपुर। देवेन्द्र पुत्र ओमप्रकाश नि0 कोईरीपुर थाना सरपतहाँ जौनपुर।करीना पुत्री मज्जर नि0 कोईरीपुर थाना सरपतहाँ जौनपुर। इस संबंध में क्षेत्राधिकार शाहगंज अजीत सिंह चौहान ने बताया कि पीआरवी कमांडर के साथ शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न करने एवं वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल करने के सम्बन्ध में गिरफ्तारी किया गया है एवं विधिक कार्यवाही प्रचलित है।

शो पीस बन कर रह गई सिधौना बाजार की रोड लाइट

सिधौना, आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। सिधौना बाजार में स्थापित चौराहे के पास सड़क के किनारे लगा हाई मास्ट लाइट एवं छोटी बड़ी कई लाइटे विगत कई वर्षों से खराब है। जिससे रात्रि के समय बिजली रहने पर भी अंधेरा सा मासूम होता है। रात्रि के समय गस्त कर रहे होमगार्ड व पुलिस को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। रात्रि के समय प्रकाश न होने की वजह से चोरों का काम आसान हो जाता है। प्रकाश न होने की वजह से राहगीर एवं दुकानदार समय से पहले ही दुकान बंद कर देते हैं। अन्य बाजारों में रात्रि के समय भी प्रकाश रहता है यहां राहगीरों एवं पुलिस प्रशासन को बैठने के लिए भी में किसी प्रकार की सुविधा नहीं है। जिससे आए दिन परेशानियों का सामना करना पड़ता है। रोड के किनारे पर लगा हुआ सौर ऊर्जा से चलने वाला लाइट व खंभे के ऊपर लगी हुई लाइट भी विगत कई वर्षों से खराब है। सिधौना बाजार में तो रात्रि के समय बिजली रहते हुए भी खराब लाइटों की वजह से अंधेरा छा जाता है। जनहित के लिए इस विषय पर शासन प्रशासन का ध्यान आकृष्ट कराया जा रहा है,कि जल्द से जल्द इस समस्या का समाधान हो सके ।ताकि आम जान मानस को इस ममस्या से राहत मिल सके और पहले की तरह बाजार की रौनक वापस आ जाए।

पीयू इलेक्ट्रॉनिक्स के विद्यार्थियों का वेरिएबल एनर्जी साइक्लोट्रॉन सेंटर में चयन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग के छात्रों ने राष्ट्रीय स्तर पर एक और उपलब्धि अर्जित की है। विभाग के तीन प्रतिभावान छात्र,अक्ष चौबे, अनुभवी जायसवाल और मुकुल, का चयन भारत सरकार के परमाणु ऊर्जा विभाग के अधीन कार्यरत प्रतिष्ठित अनुसंधान संस्थान वेरिएबल एनर्जी साइक्लोट्रॉन सेंटर (श्एउउ), कोलकाता में प्रशिक्षण हेतु हुआ है।इस प्रशिक्षण के अंतर्गत छात्र उच्चस्तरीय प्रयोगशालाओं में वैज्ञानिक अनुसंधान, परमाणु ऊर्जा यंत्रों की कार्यप्रणाली और उन्नत सिग्नल प्रोसेसिंग जैसे तकनीकी क्षेत्रों में व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करेंगे। यह चयन विभाग की मजबूत शैक्षणिक गुणवत्ता, अनुसंधान उन्मुख वातावरण और विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत का प्रमाण है।प्रशिक्षण हेतु हुए चयन का श्रेय विभागाध्यक्ष प्रो. रवि प्रकाश के कुशल मार्गदर्शन को भी जाता है। साथ ही, एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. विक्रांत भटेजा ने तकनीकी तैयारी में विशेष भूमिका निभाई। विभाग के सभी शिक्षकों डॉ. प्रवीण सिंह, डॉ. रीतेश बरनवाल, डॉ. अजय मौर्य, डॉ. विशाल यादव, डॉ. अनीश अंसारी, डॉ. पी.सी. यादव, डॉ. पारुल त्रिवेदी और सुश्री प्रीति शर्मा ने छात्रों को शुभकामनाएं दीं।कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने इस उपलब्धि को विश्वविद्यालय की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और नवाचार प्रतिबद्धता का प्रतीक बताया। विभाग के कुछ अन्य छात्रों का चयन इसरो और डीआरडीओ जैसे संस्थानों में भी हुआ है। यह सफलता भावी विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा है और इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग को तकनीकी उत्कृष्टता का प्रतीक बनाती है।

डॉ. आलोक गुप्ता को भूटान में मिला 'बेस्ट अकादेमी अवार्ड'

जौनपुर(उत्तरशक्ति)।वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के प्रबंध अध्ययन संकाय के वित्तीय अध्ययन विभागाध्यक्ष डॉ. आलोक गुप्ता को भूटान में आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में ह्यबेस्ट अकादेमी अवार्डह्न से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें 10-13 मई 2025 के बीच रॉयल यूनिवर्सिटी ऑफ भूटान के नार्बुलिंग रिग्टर कॉलेज, पारो में आयोजित सम्मेलन में प्रदान किया गया। डॉ. गुप्ता को यह सम्मान कृत्रिम बुद्धिमत्ता (अक) के क्षेत्र में उनके विशिष्ट योगदान एवं रोल आफ एआई एंड सोशल मीडिया इन सोशल ट्रांसफारमेशन विषय पर प्रस्तुत शोधपत्र के लिए दिया गया। संगोष्ठी में वे सतत और न्यायसंगत भविष्य की ओरः विज्ञान, प्रौद्योगिकी, राजनीति एवं अर्थशास्त्र की भूमिका विषयक तकनीकी सत्र के अध्यक्ष भी रहे। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न देशों के शिक्षकों एवं शोधकताओं को संबोधित करते हुए कृत्रिम बुद्धिमत्ता की सामाजिक परिवर्तन में भूमिका और इसके नए शोध क्षेत्रों पर प्रकाश डाला।डॉ. गुप्ता ने एआई के बढ़ते प्रभाव, संभावनाओं एवं चुनौतियों पर बल देते हुए इसे अनुसंधान और नवाचार का नया मंच बताया। उनके इस सम्मान पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने उन्हें बधाई दी। इसके अतिरिक्त जय नारायण मिश्रा पीजी कॉलेज, लखनऊ के पूर्व प्राचार्य प्रो. सुनील दत्त शर्मा, संकायाध्यक्ष प्रो. अजय द्विवेदी, विभाग के प्राध्यापक सुशील कुमार, डॉ. अबू सालेह, मनोज त्रिपाठी, यशी सिंह सहित छात्रों ने भी उन्हें बधाई दी।

सरपतहां पुलिस ने यूपी-112 के कर्मचारीगण के शासकीय कार्य में अवरोध करने वाले पांच आरोपियों गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक जौनपुर के द्वारा अपराध की रोकथाम एव अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक नगर के दिशा-निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी शाहगंज के पर्यवेक्षण में थाना सरपतहां पुलिस द्वारा यूपी-112 के कर्मचारीगण के शासकीय कार्य में अवरोध करने वाले 05 आरोपीगण को दबिश देकर गिरफ्तार किया गया। घटना का संक्षिप्त विवरण 20.05.2025 की रात्रि 23:03 को यूपी-112 पर चंद्र कुमार पुत्र रामलवट सिहं निवासी अम्बेडकरनगर को ग्राम कोइरीपुर थाना सरपतहा में बंधक बनाकर, मारपीट करने की सूचना प्राप्त हुआ। उक्त सूचना पर जब पीआरवी 2327 मौके पर पहुंची तो पीआरवी कमांडर हे0का0 बलवंत पाल और ड्राइवर हो0गा0 सुनील कुमार को शेष कुमार, अर्पित, जियालाल, सचिन पुत्र सुभाष, अमित, सचिन पुत्र संजय, अजय, आलोक, नीरज, करीना, अरुण, गयाप्रसाद, साजन, जितेन्द्र व अन्य व्यक्तियों द्वारा घेर लिया गया और गाली गलौच करते हुए मुजाहमत कर शासकीय कार्य में अवरोध उत्पन्न किया गया तथा वीडियो वायरल किया गया। इस घटना का तत्काल संज्ञान लेते हुए हे0का0 बलवंत पाल की तहरीरी सूचना पर थाना सरपतहा पर मु0अ0सं-116 /2025 धारा 191(2),221,132,352 इठर व 7 उछअ अउळ पंजीकृत करते हुए नामजद आरोपीगण नीरज, जियालाल, आलोक कुमार उर्फ सचिन, देवेन्द्र, करीना को दबिश देकर गिरफ्तार किया गया। अग्रिम विधिक कार्यवाही प्रचलित है।

आजमगढ़ : स्कूली बस की चपेट में आने से 12 वर्षीय किशोर की मौत

आक्रोशित भीड़ ने बस में लगाई आग, किया चक्काजाम

-मुहम्मद आरिफ

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। सरायमीर थाना क्षेत्र के नंदाव बाजार में बृहस्पतिवार की सुबह साइकिल से बाजार जा रहे बालक को स्कूली बस ने टक्कर मार दी। इससे बालक की मौके पर ही मौत हो गई। मौत की सूचना मिलते ही ग्रामीण आक्रोशित हो गए और स्कूली बस में आग लगा दी। सूचना मिलते ही कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। वहीं, मौके पर एसपी ग्रामीण भी पहुंचे और परिवार को जांच कर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और बस को कब्जे में लेकर थाने पर चली गई। जानकारी मुताबिक नंदाव निवासी राज यादव (11) पुत्र शोभई साइकिल से बाजार जा रहा था। वह जैसे ही नंदाव मोड़ के पास पहुंचा ही था तभी तेज रफ्तार स्कूली बस अनियंत्रित होकर उसे टक्कर

मार दी। इस हादसे में राज की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे से आक्रोशित ग्रामीणों ने बस में आग लगा दी। साथ ही मार्ग को जाम कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही सरायमीर थाना समेत अन्य थानों की पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों को समझाने में जुट गई। उधर, घटना की जानकारी मिलते ही एसपी ग्रामीण चिराग जैन भी मौके पर पहुंच गए। उन्होंने बताया कि ग्रामीणों का आरोप है कि स्कूली बस जो चला रहा था वह नाबालिग था। उसके पास न तो डीएल थे और न ही बस के सभी कागजात। यह भी आरोप लगाया कि जिस बस से हादसा हुआ है वह भी फिटनेस फेल था। एसपी ग्रामीण चिराग जैन ने राज के परिजनों और ग्रामीणों को समझाया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इसके साथ ही जली हुई बस को कब्जे में लेकर थाने भिजवा दिया। करीब एक घंटा बाद जाम समाप्त हो सका। सरायमीर थाना क्षेत्र के नंदाव से सूचना मिली थी। एक स्कूल की स्कूली बस बच्चों को लेकर जा रही थी। रास्ते में राज साइकिल से बाजार जा रहा था। तभी स्कूली बस ने अनियंत्रित होकर टक्कर मार दी। इस हादसे में बालक की मौके पर ही मौत हो गई। चिराग जैन, एसपी ग्रामीण आजमगढ़ ने बताया कि हादसे से आक्रोशित ग्रामीणों ने बस में आग लगाते हुए रास्ते को जाम कर दिया गया। परिजनों को समझाया गया इसके बाद जाम समाप्त हो सका।

प्राकृतिक खेती के लिये 6875 कृषको का बना 55 क्लस्टर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उप कृषि निदेशक हिमांशु पांडेय ने अवगत कराया है कि कृषि विभाग, जौनपुर गोमती नदी के किनारो के ग्रामों के कृषकों को प्राकृतिक खेती से जोड़ कर उनकी आय बढ़ाने एवं नदी को प्रदूषण मुक्त बनाने की तैयारी में जुट गया है।नेशनल मिशन फॉर नेचुरल फार्मिंग के लिये कृषि विभाग द्वारा खरीफ सत्र से अभियान के तहत 10 विकास खण्डों में 6875 कृषको का 55 क्लस्टर तैयार किया गया है। उन्हे प्रशिक्षण एवं संसाधन विभाग द्वारा उपलब्ध कराया जायेगा। भारतीय प्राकृतिक कृषि पद्धति के सफल कियान्यवन के लिये नेचुरल फार्मिंग के इनपुट के उत्पाद एवं आपूर्ति हेतु जैव इनपुट संसाधन केन्द्र (बी०आर०सी०) का चयन जिला स्तरीय गठित कमेटी द्वारा किया जायेगा।जिसके लिये इच्छुक जैव इनपुट संसाधन केन्द्र (बी०आर०सी०) अपना आवेदन 05 जून तक उप कृषि निदेशक कार्यालय, जौनपुर को उपलब्ध कराये, ताकि जिला स्तरीय निगरानी समिति द्वारा बी०आर०सी० का चयन कराकर क्लस्टर में शामिल कृषको को प्राकृतिक खेती से सम्बन्धित आवश्यक संसाधनों को उपलब्ध कराते हुये मिशन मोड में प्राकृतिक खेती का कियान्वयन कराया जा सकें।

शाहगंज : सेना के सम्मान में निकाली शौर्य तिरंगा यात्रा

-शिव कुमार प्रजापति

शाहगंज जौनपुर (उत्तरशक्ति)। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता से उत्साहित भाजपाइयों ने बृहस्पतिवार को भारतीय सेना के शौर्य व पराक्रम के सम्मान में तिरंगा यात्रा निकाली। इसमें भारत माता का जयघोष गूंजा। हर किसी ने एक स्वर में कहा कि भारत सेना ने अदम्य पराक्रम का परिचय दिया है।शाहगंज के मुख्य चौराहा जेसीस चौराहा से तिरंगा यात्रा मेंन रोड, डाकखाना तिराहा, कोतवाली चौराहा होते हुए अपने गन्तव्य को समाप्त हुआ। तिरंगा यात्रा का शुभारंभ शाम चार बजे विधायक रमेश सिंह के नेतृत्व में भारी भीड़ के साथ शुरू हुआ। जिसमें जनमानस द्वारा भारत माता की जय के साथ विशालकाय तिरंगा लिए हुए थे। उक्त अवसर पर शाहगंज विधानसभा के विधायक रमेश सिंह ने कहा कि नगर गणमान्य सहित भाजपा कार्यकताओं ने तिरंगा यात्रा निकाली है । विधायक ने कहा, हमारी सेना किसी को छेड़ती नहीं है, लेकिन जब कोई छेड़ता है तो घर में घुसकर मारती है। उक्त अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष पुष्पराज सिंह खुटहन ब्लाक प्रमुख बृजेश यादव भाजपा पिछड़ा मोर्चा अध्यक्ष ओम चौरसिया धीरज पाटिल वेद प्रकाश हेमंत जायसवाल सुनील कुमार टीपू प्रदीप जायसवाल गीता जायसवाल सहित तमाम जनमानस उपस्थित रहा।

हत्या के मामले में शाहगंज पहुँची पंजाब पुलिस, आरोपी के ससुराल में चस्पा की नोटिस

-विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। पंजाब में लगभग दो वर्ष पूर्व हुए एक सनसनी खेज हत्या के मामले पंजाब पुलिस शाहगंज पहुँच गयी। बताया जाता है की गुरुवार की दोपहर पंजाब के जालंधर पुलिस के प्रीतम सिंह और गुरमीत सिंह स्थानीय कोतवाली पहुंची। और जालंधर में हुए एक हत्या की जानकारी देते हुए स्थानीय पुलिस से मामले की जांच हेतू सहायता मांगी। जिसपर कोतवाली में तैनात एसआई विनय कुमार सिंह एवं एक कांस्टेबल प्रजापति के साथ हत्या के वांछित सुनील चौहान के ससुराल नगर के

नई आबादी स्थित चौहान बस्ती पहुंचे। जहां आवश्यक पूछताछ के बाद दो गवाहों की मौजूदगी में धारा 82 के अंतर्गत आरोपी के ससुराल के घर के दरवाजे पर नोटिस चस्पा कर। ससुराली जनों से आरोपी के जल्द से जल्द हाजिर होने की बात कही। वहीं पंजाब पुलिस के आये पुलिस कर्मियों ने बताया जालन्धर में युवक के हत्या के मामले में उक्त युवक फरार है। वहीं आरोपी की पत्नी का कहना है की उसका पति बेकसूर है और उसे फसाया जा रहा है। काफी समय से उसका हमसे कोई सम्पर्क नही है।वहीं बस्ती में पंजाब पुलिस के पहुंचने से चचाओं का बाजार गर्म रहा।

पुलिस सहायता केंद्र से आसान होगी पुलिस तक जनता की राह

खेतासराय, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खेतासराय क्षेत्र के जैगहा बाजार में गुरुवार को पुलिस सहायता केंद्र का उद्घाटन क्षेत्राधिकारी शाहगंज अजीत सिंह चौहान ने फीता काटकर किया। कार्यक्रम में चौकी इंचार्ज भोला सिंह के साथ पुलिस टीम मौजूद रही। क्षेत्राधिकारी ने कहा कि पुलिस सहायता केंद्र के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को अब पुलिस से संबंधित कार्यों के लिए थाने तक नहीं जाना पड़ेगा। छोटे-मोटे विवाद, त्वरित शिकायतें, सतर्कता संबंधी सूचनाएं अब स्थानीय स्तर पर ही निस्तरित हो सकेंगी। इससे पुलिस और जनता के बीच संवाद मजबूत होगा। अपराध नियंत्रण में मदद मिलेगी। थाना प्रभारी रामाश्रय राय ने कहा कि सहायता केंद्र ग्रामीणों की सुरक्षा के लिए अहम कदम है। उन्होंने हर आपराधिक गतिविधियों की सूचना तत्काल पुलिस को देने और सहयोग करने की अपील की।इस अवसर पर मुख्य आरक्षी शिव गोविंद,त्रिगुण यादव ,संदीप सिंह,मयंक राय,नफीस अहमद,देवी प्रसाद, अंकुश सिंह,बिकेश,ग्राम प्रधान कृपाशंकर,अन्ना हजारे, गुड्डू आदि लोग मौजूद रहे

यूपी के इस मेडिकल कॉलेज का बदला जाएगा नाम

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को कहा कि महापुरुषों को जाति, मत या मजहब के आधार पर बांटा नहीं जा सकता है। पिछली सरकारों ने महापुरुषों को इन्हीं आधारों पर विभाजित करने का प्रयास किया था। विशेष रूप से सपा के शासनकाल में औरैया में माता अहिल्याबाई होल्कर के नाम पर स्थापित डिग्री कॉलेज का नाम बदलने का प्रयास किया गया था। उन्होंने औरैया के मेडिकल कॉलेज का नाम अहिल्याबाई होल्कर के नाम पर रखने की घोषणा की। मुख्यमंत्री आवास में अहिल्याबाई होल्कर की जन्म त्रिशताब्दी वर्ष स्मृति अभियान के तहत आयोजित संगोष्ठी में मुख्यमंत्री ने कहा कि जहां सदाचार और सद्बुद्धि है, वहां सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। उन्होंने कहा वर्ष 2014 से पहले की सरकारों में राम और कृष्ण को काल्पनिक बताया गया, रामसेतु को तोड़ने की कोशिश की गई और भ्रष्टाचार, अविश्वास, अराजकता व राजनीतिक षड्यंत्र का बोलबाला था।

ऑपरेशन चक्रव्यूह के तहत अतिक्रमण हटाने और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुराना पुल क्षेत्र में पुलिस का पैदल गश्त

-डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के पुराने पुल क्षेत्र में मंगलवार को सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने और अतिक्रमण पर कार्रवाई करने के उद्देश्य से पुलिस ने पैदल गश्त की। यह गश्त पुरानापुल चौकी प्रभारी पवन राय के नेतृत्व में की गई। जिसमें पुलिसकर्मी टीम के साथ क्षेत्र के मुख्य मार्गों और गलियों में निकले।गश्त के दौरान सड़क किनारे किए गए अतिक्रमण को हटवाया गया और दुकानदारों को चेतावनी दी गई कि दोबारा अवैध अतिक्रमण पाया गया तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही स्थानीय लोगों को यातायात नियमों और सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने को लेकर जागरूक किया गया। चौकी प्रभारी ने बताया कि क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए ऐसे अभियान आगे भी जारी रहेंगे। पुलिस की इस कार्रवाई से स्थानीय नागरिकों ने राहत की सांस ली और व्यवस्था बनाए रखने के प्रयासों की सराहना की. इस दौरान पुलिस के साथ पीएसी भी मौजूद रही।

डीडीयू का सीएमओ ने किया औचक निरीक्षण, इलेक्ट्रिशियन का वेतन रोका

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के पं. दीनदयाल उपाध्याय राजकीय चिकित्सालय में वुधवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ.संदीप चौधरी के औचक निरीक्षण के दौरान एक अजीबोगरीब स्थिति उत्पन्न हो गई। सीएमओ ने अस्पताल के इलेक्ट्रिशियन वकील अहमद से इस बात पर नाराजगी जताई कि वह विगत दिनों सचिव के निरीक्षण के दौरान उनके साथ क्यों घूम रहे थे। जब वकील अहमद ने जवाब दिया कि 'मेरा काम है। इसलिए मैं साथ में था,तो सीएमओ ने इसे अनुशासनहीनता मानते हुए कड़ा रुख अपनाया। सीएमओ ने मौके पर मौजूद सीएमएस को निर्देश दिया कि इलेक्ट्रिशियन के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जाए। इस पर इलेक्ट्रिशियन वकील अहमद ने बेहद चौंकाने वाली प्रतिक्रिया दी कहा कि यदि मेरी गलती है तो एफआईआर करा दीजिए। इससे पहले भी मेरे खिलाफ चार-पांच एफआईआर हो चुकी है। एक और सही। इस घटना के बाद सीएमएस ने कर्मचारी आचरण नियमावली 1956 का हवाला देते हुए वकील अहमद की टिप्पणी और आचरण को अनुशासनहीनता की श्रेणी में माना। सीएमओ के निदेर्शानुसार तत्काल प्रभाव से संबंधित कर्मचारी का वेतन अग्रिम आदेशों तक रोक दिया गया है तथा तीन कार्य दिवसों के भीतर स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने का निर्देश जारी है।

बालू लादकर खड़ा किया गया ट्रैक्टर ट्राली गायब, चोरी का हुआ मुकदमा दर्ज

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जलालपुर क्षेत्र के इजरी बाजार में दुकान पर बालू लादकर खड़ा किया गया ट्रैक्टर ट्राली सहित चोरी हो गया। ट्रैक्टर मालिक सुबह जब दुकान खोलने के लिये पहुंचा तो घटना की जानकारी हुई। उसके होश उड़ गये। वह तत्काल आस पास ट्रैक्टर खोजने लगा। अंत में घटना की सूचना पुलिस को दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार उक्त क्षेत्र के ताला मझवारा गांव निवासी राघवेन्द्र सिंह ने इजरी बाजार में मण्डला इन्टरप्राइजेज के नाम से बिल्डिंग मैटेरियल की दुकान खोल रखा है। मंगलवार को एक ग्राहक को एक ट्राली लेने आया था। दुकानदार ने एक ट्राली बालू लोड करा दिया परन्तु कुछ कारणों से बालू मंगलवार को नहीं भेजा सका। ट्रैक्टर व बालू लदी ट्राली दुकान के पास खड़ी करके राघवेंद्र घर चले गये। बुधवार की सुबह जब दुकान खोलने पहुंचे तो देखा ट्रैक्टर ट्राली सहित गायब था।उन्होंने घटना की तहरीर जलालपुर पुलिस को दिया। पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया।इस बाबत पूछे जाने पर थाना प्रभारी त्रिवेणी सिंह ने बताया कि मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। घटना के अनावरण के लिये टीम गठित कर दिया गया है।

सरकार ने बदले 25 पीपीएस अधिकारी, सभी डिप्टी एसपी

लखनऊ। प्रदेश में तबादला नीति जारी होने के बाद से योगी आदित्यनाथ सरकार में पुलिस और प्रशासनिक अफसरो के ट्रांसफर का सिलसिला जारी है। गुरुवार को 25 पुलिस उपाधीक्षक अधिकारियों का तबादला किया गया। सुधीर कुमार तोमर को पुलिस उपाधीक्षक सतर्कता अधिष्ठान उप्र. लखनऊ, श्रेष्ठा को पुलिस उपाधीक्षक बागपत, नीरज सिंह को पुलिस उपाधीक्षक सतर्कता अधिष्ठान उप्र.3 लखनऊ, सुशील कुमार यादव को लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट में सहायक पुलिस आयुक्त, अमित कुमार श्रीवास्तव को पुलिस उपाधीक्षक सहारनपुर, देवेंद्र कुमार प्रथम को सहायक सेनानायक 30वीं वाहिनी पीएसी गोंडा, भरत पासवान को पुलिस उपाधीक्षक श्रावस्ती, प्रिता को पुलिस उपाधीक्षक पीटीएस गोरखपुर बनाया गया है। डॉ. अजय कुमार सिंह को कुशीनगर का पुलिस उपाधीक्षक बना दिया गया है। इसके साथ ही अरुण कुमार सिंह चतुर्थ को महोबा, शैलेन्द्र सिंह को औरैया, शक्ति सिंह को अमरोहा और बलराम को भदोही का पुलिस उपाधीक्षक बना दिया गया है। बागपत के पुलिस उपाधीक्षक रहे हरीश सिंह भदौरिया को पुलिस उपाधीक्षक (सुरक्षा) मथुरा, स्वतंत्र कुमार सिंह को गौतमबुद्ध नगर पुलिस कमिश्नरेट का सहायक पुलिस आयुक्त, स्नेहा तिवारी को पुलिस उपाधीक्षक चंदौली, तनु उपाध्याय को सहायक सेनानायक 37वीं वाहिनी पीएसी कानपुर और शिवाजी सिंह को पुलिस उपाधीक्षक सतर्कता अधिष्ठान उप्र. लखनऊ की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

یسریٰ حکیمی دواخانہ
Regd.No20230048
युसरा हकीमी दवाखाना
हमारी कोशिश आपका विश्वास...
उपलब्ध सुविधायें-
- गठिया व जोड़ो के दर्द का इलाज
- बवासीर का इलाज बगैर आपरेशन के
- चर्म रोग व पेट की तमाम बीमारियों का इलाज
- बालों का झड़ना, सफेद दाग मुहासे व छाइयों का इलाज होता है ।
- नि:संतान का अचूक इलाज
- शुगर कन्ट्रोल का इलाज
मंगलवार बंदी बाक़ी दिन का सुबह 10 बजे से रात 8 बजे तक
Mob.: 9198443844, 8960275665
नोट- पुरुषों व महिलाओं के गुप्त रोगों से सम्बन्धित सभी प्रकार के रोगों का ईलाज किया जाता है ।
अब हर जुमा को सुबह 10 बजे से 11 बजे तक
सफेद दाग के मरीजों को मुफ्त दवा मिलेगी यह सन् 2025 के अन्त तक जारी रहेगा।
पता- बड़ी मस्जिद, पूर्वी गेट के सामने जौनपुर (उ.प्र.)

खतरनाक इमारतो का राजन नाईक ने किया निरीक्षण

नालासोपारा। नालासोपारा के पूर्वी हिस्से में आचोले गांव में एक बेहद खतरनाक इमारत की चौथी मंजिल बारिश के कारण ढह गई। अत्यंत खतरनाक इमारत का निरीक्षण करने पर सौभाग्यवश किसी के हताहत होने की सूचना नहीं मिली। नगर निगम प्रशासन से तत्काल निवासियों के लिए उपयुक्त स्थान पर रहने की व्यवस्था करने को कहा गया। उन्होंने अग्निशमन विभाग, पुलिस प्रशासन और नगर निगम प्रशासन से सभी उचित कदम उठाने को भी कहा। इस अवसर पर मेरे साथ वसई विरार सहायक आयुक्त श्रीमती अलका खैरे, अचोले वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक सुजीत कुमार पवार, वसई विरार नगर निगम अभियंता विवेक बुटुकड़े, दीपक राठौड़, जयेंद्र पाटिल, भाजपा जिला अध्यक्ष महेंद्र पाटिल और महासचिव श्रीमती प्रज्ञा पाटिल , अभय कक्कड़ मंडल अध्यक्ष उदय शेट्टी मौजूद थे।

सनातन सिद्धांत के बिना संस्कृति की रक्षा असंभव है-हरि प्रपन्नाचार्य महाराज

लालशेखर सिंह ----

जौनपुर (उत्तरशक्ति) परियत ननवगनपुर में प्रयागराज से पधारे जगतगुरु रामानुजाचार्य श्री श्री 1008 हरि प्रपन्नाचार्य के व्यासत्व में विन्द बहादुर सिंह के द्वारा 17 से 23 मई 2025 तक श्रीमद्भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ का आयोजन किया गया है। पंचम दिवस की कथा भगवान के अवतरण को पृथ्वी पर अधर्म की बाढ़ का मूल बतलाते हुए पूज्य महाराज जी ने सुंदरकांड प्रसंग का वर्णन करते हुए उन नौ चौपाइयों का गायन किया जिसमें सुंदर शब्द का 9 बार प्रयोग किया गया है।नंदजी द्वारा लाखों गायों के दान प्रसंग महिमा भाव को कथा में उमड़े जन समूह को समझाते हुए कथा व्यास ने कहा कि, भागवत के अनुसार घर मे बालक के जन्म लेने पर यदि एक गाय का दान ब्राह्मण को कर दिया जाये तो उस बालक को कोई रोग- बीमारी नही होगी।सात्विक भाव मे रहने के कारण सतयुग में सभी लोग प्रसन्न रहते थे,इसलिए सात्विक जीवन जीना चाहिए। यदि घर में आमदनी न रुकती हो, तो इस के निदान के लिए, जो न होत जग जनम भरत को.. मानस की इस चौपाई का नित्य 21 बार पाठ करने से घर मे आने वाला घन अवश्य रुकने लगेगा।

जीव झूठ बोल सकता है किंतु ब्रह्म कभी झूठ नही बोलता।श्रीमद्भागवत के 1800 श्लोकों में एक बार भी राधा जी का नाम नही आया है मंत्र को लेट कर कभी नही जपना चाहिए लेकिन भगवान का नाम हर अवस्था में जपा जा सकता है। रुद्राक्ष धारण करने वाले हो कभी हार्टअटैक नही होता इसलिये रुद्राक्ष को मलमूत्र त्याग के समय भी नही निकालना चाहिए क्योंकि इसी समय हार्टअटैक अधिक आता है।पूज्य महाराज जी ने सीताराम को मंत्र राज की संज्ञा प्रदान करते हुए कहा कि, यह कल्याणकारी मंत्र है।इसी प्रकार केवल राधा नाम जपने से अच्छा है कि, राधेश्याम मंत्र को जपा जाये।घर में यदि लड्डू गोपाल विराजमान हैं तो नित्य भोग लगाकर वर्ष में एक बार 56 भोग अवश्य लगाना चाहिए, इस प्रकार सेवा न करने से भगवान रक्त भी पीते हैं।व्यास पीठ से लोगों को कल्याणकारी सूत्र प्रदान करते हुए महाराज जी ने कहा कि,सनातन सिद्धांत के अनुसार पुत्र जन्म के बारहवें दिन केवल गुरु को ही बालक का नामकरण करना चाहिए,यह कार्य परिवार के किसी सदस्य को कदापि नही करना चाहिए।बालक के जन्म पर सूतक के बहाने भगवान की पूजा,दान बंद नही होना चाहिए।केवल शालिक ग्राम जी का पूजन नही करना चाहिए उन्हें इस काल मे गंगा में शयन करवा देना चाहिए।सूतक केवल केशव शालिक ग्राम को ही लगता है।आसाम के भीम शंकर और देवघर के बाबा वैद्यनाथ ऐसे ज्योतिर्लिंग हैं जिन्हें सब कुछ चढ़ाया जा सकता है।गणेश जी की बड़ी पत्नी बुद्धि और छोटी पत्नी का नाम सिद्धि है।कुल देवता की पूजा किये बिना कोई भी देवता पूजा स्वीकार नही करते हैं।दुकान के मिष्ठान से भगवान को भोग नही लगाना चाहिए।कृष्ण भगवान के बाल लीला प्रसंग का गायन करते हुए महाराज जी ने कहा कि,आधुनिकता के नाम पर पिता जी माता जी को पापा, डैड जैसे अमंगल शब्दों का प्रयोग करके हमारे देश के लोग स्वयं हमारी संस्कृति को नष्ट करने पर तुले हुए हैं,इससे बचा जाये नही तो कथा सुनने का कोई अर्थ नही रह जाता।भगवान का नियम से पूजन करके भोग ना लगाना अनिष्ट कारी होता है।मंदिर दर्शन का लाभ पाने के लिए गणेश जी की तीन, दुर्गा जी की एक, राम, कृष्ण और विष्णु जी की पाँच और शिव जी की आधी परिक्रमा करनी चाहिए।भगवान का दर्शन करने के बाद कभी उनकी पीठ की तरफ सिर नही नवाना चाहिए क्योंकि भगवान की पीठ पर अधर्म निवास करता है।अपनी कथा को विस्तार प्रदान करते हुए महाराज ने कहा कि, विपत्ति काल मे घर के देवता को ही पुकारना चाहिए अन्य देवताओं को लाख पुकारोगे तो भी कोई नही आएगा।इस प्रकार कथा व्यास ने पूतना, बकासुर संहार, कालिय मर्दन और गोवर्धन पूजा तक की कथा का वर्णन करते हुए पंचम दिवस की कथा को विश्राम दिया।पूज्य महाराज जी कथा के भाव को सरलता से स्पष्ट करने के लिए कई सद्ग्रन्थों से दृष्टांत उपस्थित करते हैं जो कथा के प्रति श्रद्धालुओं के प्रेम-जिज्ञासा को बढ़ा देती है।इस कथा के मुख्य यजमान लाल बहादुर सिंह और उनकी धर्मपत्नी गीता सिंह हैं।कथा आयोजक बिंद बहादुर सिंह के साथ व्यवस्था में सहयोग करने वाले उनके परिजनों नरसिंह सिंह,नागेंद्र सिंह, विजय कुमार सिंह,गणेश सिंह, लव सिंह, शैलेश सिंह आदि उत्साह पूर्वक लगे हुए हैं।कथा श्रोताओं के बीच मुम्बई से आये सदुरु फाउंडेशन के प्रवक्ता दिनेश प्रताप सिंह,विद्या सिंह, नीलम सिंह,मुम्बई मनपा के मेयर पुरस्कार से पुरस्कृत शिक्षक धर्मराज यादव,बजरंग सिंह, मुकेश सिंह आदि लोगों ने कथा श्रवण का पुण्य लाभ अर्जित किया। आयोजक बिंद बहादुर सिंह मास्टर के बेटे प्रिंसिपल रणविजय (मोनू) के अनुसार 23 मई को कथा विश्राम,हवन के पश्चात 25 मई को महाप्रसाद भंडारा प्रसाद के साथ यह आयोजन पूर्ण होगा। यह जानकारी वरिष्ठ पत्रकार लाल शेखर सिंह ने दी है।

पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी के प्रयासों से केतकीपाड़ा की टल गई तोड़क कार्रवाई

दहिसर, मुंबई। दहिसर (पूर्व) में संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान के पास स्थित केतकीपाड़ा क्षेत्र के नागरिकों को वन विभाग द्वारा तोड़क कार्रवाई की नोटिस मिलने के बाद उनके बेघर होने का खतरा मंडरा रहा था। पर उनकी छत बचाने के लिए उत्तर मुम्बई के पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी जी-जान से जुटे हुए थे। वन विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों से लेकर मंत्रालय तक पत्राचार और अनगिनत बैठकों के सिलसिलों द्वारा इन नागरिकों को न्याय दिलाने और सरकार के 'धोरण' अनुसार उन्हें मकान दिलाने के लिए जनसेवक गोपाल शेट्टी पूरी ताकत लगाकर प्रयास करते रहे।

गुरुवार की सुबह वन विभाग के अधिकारियों ने स्थानीय पुलिस का सहयोग लेकर बड़े पैमाने पर यहां

तोड़क कार्रवाई कर यहां के निवासियों के घरों को जमींदोज करने और सबको हटाने की योजना बनाई थी। लेकिन जनसेवक और पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी को जैसे ही इसकी जानकारी मिली, वे तुरंत केतकीपाड़ा जा पहुंचे और हजारों नागरिकों के साथ चट्टान की तरह अडिग खड़े होकर तोड़क कार्रवाई करने वालों के समक्ष अभेद्य दीवार बन गए। अंततः जनसेवक गोपाल शेट्टी की सक्रिय मध्यस्थता और सभी अधिकारियों के साथ विस्तार से चर्चा के बाद तब यह निर्णय लिया गया कि यहां के नागरिकों को वैकल्पिक घर दिए जाने के बाद ही यहां की जगह खाली की जाएगी। इसके परिणामस्वरूप आज की तोड़क कार्रवाई टल गई है और निवासियों को बड़ी राहत मिली है।

आज की ऐतिहासिक उपलब्धि में जनसेवक गोपाल शेट्टी के साथ-साथ बोरीवली के विधायक संजय उपाध्याय सहित भाजपा के अन्य वरिष्ठ नेताओं तथा अन्य राजनीतिक दलों के नेताओं और कार्यकताओं का भी पूर्ण साथ और सहयोग रहा।

यह एक सकारात्मक और मानवीय दृष्टिकोण से लिया गया निर्णायक समाधान कहा जा सकता है। केतकीपाड़ा के हजारों नागरिकों ने इसके लिए अपने मसीहा बने जनसेवक गोपाल शेट्टी का आभार माना है।

विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने किया भाजपा कार्यालय का उद्घाटन

-नरेंद्र सोनी

वसई रोड। वसई रोड पश्चिम में अय्यप्पा मंदिर के पास भाजपा महिला मोर्चा सचिव श्रीमती शिला अय्यर के भाजपा जनसंपर्क कार्यालय का उद्घाटन वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित द्वारा किया गया। इस अवसर पर भाजपा वसई विरार शहर जिला अध्यक्ष महेंद्र पाटिल, भाजपा दक्षिण भारतीय मोर्चा के जिला अध्यक्ष राजेश नारायण, अभय कक्कड़, वरिष्ठ नेता शेखर धुरी, वसई रोड मंडल अध्यक्ष महेश सरवणकर, वसई पूर्व दक्षिण मंडल अध्यक्ष उदय शेट्टी, वसई पश्चिम मंडल अध्यक्ष आशीष जोशी और कई अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे। यह कार्यालय जनता से सीधे संवाद की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भाजपा के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और अन्य लोग शामिल हुए, जिन्होंने इस उद्घाटन समारोह में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

कमरे में मिला ट्रांसपोर्ट कर्मी का शव

कानपुर (उत्तरशक्ति)। बाबूपुरवा थानाक्षेत्र में गुरुवार सुबह किराये के कमरे में एक ट्रांसपोर्ट कर्मी का शव मिला। प्रयागराज के थाना हंडिया के ग्राम जसवा निवासी रामसागर पांडेय का बेटा सतीश पांडेय (29) पीएसपी ट्रांसपोर्ट में अहमदाबाद में काम करता था। दो माह पहले बाबूपुरवा में ट्रांसपोर्टनगर में इसी कंपनी में ट्रांसफर होकर आया था। बाबूपुरवा इलाके में ही कमरा लेकर रह रहा था। बड़े भाई संजय पांडेय ने बताया कि गुरुवार सुबह सतीश को कई बार फोन किया, लेकिन रिसीव नहीं हुआ। इसके बाद उसकी ट्रांसपोर्ट में जानकारी की गई तो पता चला कि वह आज नहीं आाया। उन्होंने ट्रांसपोर्ट के दूसरे साथी कर्मी को कमरे में जाकर देखने के लिए कहा। वह पहुंचा तो कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था। काफी खटखटाने और आवाज देने पर कोई जवाब नहीं मिला तो पुलिस को सूचना दी। बाबूपुरवा इंस्पेक्टर फोर्स के साथ पहुंचे और आसपास रहने वालों से पूछताछ की। लोगों की मदद से दरवाजा तोड़ा तो जमीन पर युवक का शव पड़ा था।

समाजसेवी स्व.राजबहादुर सिंह को भावभीनी श्रद्धांजलि

मुंबई। मुलुंड के वरिष्ठ समाज सेवक राजबहादुर सिंह का गत दिनों दुःखद निधन हो गया। दिवंगत को श्रद्धांजलि अर्पित करने हेतु श्रद्धांजलि सभा का आयोजन आर्य समाज हॉल,ज.नेहरू रोड, मुलुंड प.पर किया गया। इस अवसर पर मुंबई कांग्रेस के उपाध्यक्ष बी.के.तिवारी, मुंबई भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा के अध्यक्ष जयप्रकाश सिंह,वरिष्ठ समाज सेवक डॉ.बाबूलाल सिंह, डॉ.हरीश सिंह, जगदीशपटेल, आर.के. सिंह, महाराष्ट्र कूर्मि क्षत्रिय समाज के अध्यक्ष हरीश वर्मा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष पी.एस.वर्मा, महासचिव डा.यु.पी. सिंह, कोषाध्यक्ष सुभाष सिंह,रमाशंकर तिवारी(महासचिव समाज वादी पार्टी मुंबई), महाराष्ट्र कांग्रेस उत्तर भारतीय सेल के महासचिव डॉ. सचिन सिंह, डॉ. आर.एम.पाल,

सचिव एम.के. सिंह, पत्रकार पवन तिवारी, श्यामधर पांडेय, जगदीश शेट्टी (अध्यक्ष-शिवसेना मुलुंड), राकेश राघवन, मैथ्यु चेरियन, रामाश्रय सिंह, शिवदत्त सिंह, रामकुमार सिंह सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

इस अवसर पर श्रीमती चमेली सिंह (धर्म पत्नि), जगदीश सिंह (भाई), श्रीमती आत्मा सिंह (भाई की पत्नी), रितेश जगदीश सिंह ,आभा रितेश सिंह, मंजरी (सीमा) राजेश सिंह (पुत्रवधु), एड.रिषभ सिंह (पौत्र), रीना सिंह (बेटी), व्यंकटेश (राजा) शेट्टी (दामाद), रोशनी सिंह (पौत्री), अभिजीत (दामाद), हस्ती रितेश सिंह (पौत्र वधु),अनीता सिंह (बहन),अशोक सिंह (बहनोई) एवम सभी रिश्तेदार उपस्थित रहे। समाज सेवक एन.के.सिंह ,डा.राम पटेल,श्रीमती धीरज सिंह, श्रीमती जयबाला सिंह, श्रीमती संजुला सिंह , श्रीमती अंजना सिंह, प्यारेलाल सिंह, राजकुमार चौरसिया, मनोज वालिम्बे, जयंती भाई पोकर वी.के.वर्मा, आर.के. सिंह एव अनेक शुभचिंतकों ने स्व.राजबहादुर सिंह के सामाजिक कार्यों, मिलनसार स्वभाव को याद करते हुए उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित किया। सभा के अंत में दो मिनट का मौन रख कर दिवंगत की आत्म शांति हेतु ईश्वर से प्रार्थना की गई।

वसई में स्नेहा दुबे पंडित की अध्यक्षता में भव्य तिरंगा यात्रा सम्पन्न

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर भारतीय सेना को सलाम

वसई (पश्चिम)। वसई विधानसभा क्षेत्र में रविवार को वसई पश्चिम तहसीलदार कार्यालय से पार नाका तक एक भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। इस यात्रा की अध्यक्षता वसई की विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने की। यात्रा का आयोजन ऑपरेशन सिंदूर की सफलता और भारतीय सेना की वीरता को सम्मान देने के उद्देश्य से किया गया।

गौरतलब है कि कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के जवाब में भारतीय सेना ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सशक्त नेतृत्व में पाकिस्तान में घुसकर एक सटीक और साहसिक अभियान ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया। इस अभियान से भारतीय सेना की ताकत और संकल्प का संदेश पूरे विश्व को मिला है। तिरंगा यात्रा के दौरान पूरा वातावरण ₹भारत माता की जय₹ और ₹वंदे मातरम₹ के नारों से गूंज उठा। इस अवसर पर प्रज्ञा ताई कुलकर्णी, शिवसेना के नीलेश तेंदुलकर, श्रीमती प्रज्ञा पाटिल, मारिया दरीवाला, सुनील किनी, अतुल पाटिल, किरण पाटिल, मुकुंद मुल्ये, श्रीमती अपर्णा पाटिल, हरीश बेदी, संतोष काकड़, विलास चौधरी, गिरीश राऊत, श्रीमती प्रीतम राऊत, काशीनाथ वैती, अविनाथ चावंडे, रोहन वैती सहित अनेक गणमान्य नागरिक, पूर्व सैनिक, विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी, राजनीतिक कार्यकर्ता तथा बड़ी संख्या में स्कूली छात्र उपस्थित थे। इस यात्रा ने वसईवासियों में देशभक्ति की भावना को और प्रबल किया और भारतीय सेना को सम्मानित करने का एक सशक्त माध्यम बना।

प्रतिभा पहचान योजना मशाल का हुआ आयोजन

कसदेवरा मध्य विद्यालय पर तीन स्कूल के छात्रों ने लिया भाग

सिवान (उत्तरशक्ति)। सिवान महाराजगंज बिहार सरकार ने छात्र-छात्राओं को खेलकूद में निखार लाने के लिए प्रतिभा खेल पहचान योजना मशाल कार्यक्रम शुरू किया है। खेल प्रतियोगिता में भाग लिया तीन विद्यालय के छात्र एवं छात्राएं इसके तहत वृहस्पतिवार को महाराजगंज प्रखंड के कसदेवरा संकुल संसाधन केंद्र पर तीन दिवसीय खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया .जिसमें कस्देवरा मध्य विद्यालय , उमावि आकील टोला, उमावि कन्या मध्य विद्यालय उपाध्याय टोला, के कुल 76 छात्र व छात्राओं ने भाग लिया .खेल में एथलेटिक, कबड्डी, फुटबॉल, साइक्लिंग, वालीबॉल को शामिल किया गया है। बिहार राज्य खेल प्रतिभा खोज के तहत तीन

दिवसीय मशाल खेल प्रतियोगिता में उत्साहपूर्वक बच्चें ने भाग लिया, कसदेवरा मध्य विद्यालय के एचएम अनिल कुमार ने बताया कि तीन दिवसीय प्रतिभा खेल प्रतियोगिता में चयनित बच्चें संकुल में आयोजित होने वाले खेल प्रतियोगिता में भाग लेने के बाद,चयनित छात्रों को प्रखंड स्तरीय खेल प्रतियोगिता में भाग लेंगे. इसके बाद चयनित छात्र को जिला स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेना होगा बेहतर प्रदर्शन करने वाले छात्रों को पुरस्कृत किया जाएगा। कार्यक्रम में कसदेवारा मध्य विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक अनिल कुमार, मुन मुन गांधी, संजय कुमार यादव,सत्यदेव मांझी, जितेंद्र कुमार सिंह, रियाजुल अंसारी, संजय कुमार राम, जावेद अख्तर, विजय कुमार शाह, साकेत सत्यम के अलावा विद्यालय के अन्य शिक्षक भी बच्चों के खेल को सफल बनाने में सहयोग किया।

प्रेरणादायक अनोखी पहल, दो अनाथ बेटियों का विवाह करेगा अखंड राजपुताना सेवासंघ

जौनपुर। अखंड राजपुताना सेवासंघ एवं आज का कर्मवीर सोशल फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में बिन मां-बाप की बेटियों के सामूहिक विवाह कार्यक्रम का आयोजन 23 मई 2025 को किया जाएगा। यह आयोजन श्री समरथ्थी राजाराम दिव्यांग एवं बालिका शिक्षण संस्थान, कुशहा द्वितीय, घनश्यामपुर, जौनपुर में संपन्न होगा। इस पुनीत कार्य के संबंध में संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर आर.पी. सिंह दुर्गवंश ने एक प्रेस वार्ता आयोजित कर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह आयोजन समाज के उपेक्षित वर्ग की बेटियों को सम्मानजनक जीवन देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा, हमारा उद्देश्य इन बेटियों को न केवल एक नया जीवन देना है, बल्कि समाज में एक सकारात्मक संदेश भी देना है कि सेवा, सहयोग और संस्कार आज भी जीवित हैं। संगठन की ओर से विवाह की सभी व्यवस्थाएँ – जैसे वस्त्र, आभूषण, उपहार, तथा आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराए जाएंगे। आयोजन में समाज के गणमान्य नागरिकों, सामाजिक कार्यकताओं एवं जनप्रतिनिधियों के शामिल होने की संभावना है। यह प्रयास निश्चित रूप से समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा।

25 हजार के इनामी कोर्ट में किया सरेंडर

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। हत्या और रंगदारी के मामले में फरार 25 हजार के इनामी सुजीत सिंह उर्फ भकोले ने बृहस्पतिवार को पुलिस को चकमा देकर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सत्यवीर सिंह की अदालत में आत्मसमर्पण कर दिया। चार दिन पहले ही एसएसपी हेमराज मीणा ने उसकी गिरफ्तारी के लिए 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। 27 मार्च 2025 को कोतवाली थाने में एक पीड़िता ने तहरीर दी थी कि सुजीत सिंह, प्रदीप सिंह और अजीत सिंह ने 50 हजार रुपये रंगदारी मांगी और उसकी बेटियों को उठाने की धमकी दी। रविवार रात 12 बजे ये लोग तमंचा लेकर पीड़िता के घर पहुंचे, जबरन दरवाजा खुलवाया और रंगदारी मांगी।

विरार पश्चिम भाजपा मंडल द्वारा भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर वीर जवानों को समर्पित यात्रा

विरार। विरार पश्चिम के अगाशी स्थित भवानी शंकर मंदिर से एक भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। जिसका आयोजन भाजपा वसई पश्चिम मंडल द्वारा किया गया। यह यात्रा ऑपरेशन सिंदूर की ऐतिहासिक सफलता और भारतीय सेना के अद्वितीय साहस, योजना और वीरता को समर्पित थी। यात्रा भवानी शंकर मंदिर से प्रारंभ होकर उम्बरगोठन स्थित हनुमान मंदिर तक निकाली गई। इस अवसर पर वसई के नागरिकों ने देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत होकर बढ़-चढ़कर भाग लिया। विभिन्न राजनीतिक दलों, सामाजिक संगठनों, युवाओं, महिलाओं और हर धर्म-जाति के लोगों ने एकजुट होकर राष्ट्रीय एकता और सैन्य बलों के सम्मान को

ठाकुर, हेमलता बालशी, चंद्रकांत वाजे, अभिषेक नाइक, श्रीमती अपर्णा पाटिल, कल्पेश नाइक, सुधीर मेहर, विजय मेहर, हेमंत किनी, श्रीमती आशा चव्हाण, विजेता सुर्वे, नीलेश म्हात्रे, जिग्नेश पाटिल, नीलेश नाइक, केतन गांधी, राजेंद्र म्हात्रे, संतोष मंडोवी, दिनेश घरात, रिशाल म्हात्रे, उदय नाइक, श्रेयशी पेठे, युग वर्तक, मनीषा जोशी, अर्चना पवार, पूर्वा येलवंकर सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। यह आयोजन न केवल वीर सपूतों को श्रद्धांजलि थी, बल्कि राष्ट्रीय एकता, सामाजिक सौहार्द और जनसमूह की जागरूकता का प्रतीक बन गया।